मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 04
रविवार, 05 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आतंकवाद पर भारत सरकार का बड़ा प्रहार: केंद्र ने UAPA के तहत जैश और लश्कर से जुड़े 23 आतंकियों को किया ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली, 04 जुलाई। जम्मू-कश्मीर में सीमा-पार से संचालित हो रहे आतंकी नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए केंद्र सरकार ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार (4 जुलाई, 2026) को एक आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन जारी करते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत 23 पाकिस्तान स्थित अपराधियों को 'आतंकवादी' घोषित कर दिया है। ये सभी आतंकी पाकिस्तान में बैठकर लश्कर-ए-तैयबा , जैश-ए-मोहम्मद और द रेजिस्टेंस फ्रंट जैसे खूंखार संगठनों के लिए काम कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि ये लोग कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी भर्ती, घुसपैठ, ट्रेनिंग, ड्रोन के जरिए हथियार सप्लाई करने और हमलों

की योजना बनाने में शामिल थे।

इन 23 लोगों में से तीन LeT के संस्थापक हाफि ज मुहम्मद सईद के करीबी सहयोगी बताए जाते हैं, तीन कथित तौर पर 2016 में नगरोटा में आर्मी कैंप पर हुए आतंकी हमले में शामिल थे, और दो कथित तौर पर 2018 में सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर हुए आतंकी हमले में शामिल थे।

गृह मंत्रालय ने नोटिफिकेशन में सईद के करीबी सहयोगियों की पहचान अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वलीद और राणा इफ्तिखार के तौर पर की है। गृह मंत्रालय ने कहा, 54 साल के राणा इफ्तिखार जिहादी विरोधी संगठनों के बीच तालमेल बिठाते हैं, युवाओं को आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाते हैं और हाफि ज सईद के करीबी सहयोगी हैं। 52 साल के अब्दुल रऊफ, जो LeT और जमात-उद-दावा से जुड़े हैं, आतंकी गतिविधियों की योजना बनाने और तालमेल बिठाने, फंड इकट्ठा करने में शामिल हैं और हाफि ज मुहम्मद सईद की सीधी कमान में LeT के मुख्य आतंकवादियों में से एक हैं।

केंद्र का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कई सुरक्षा और जांच एजेंसियां सीमा पार के उन आतंकी नेटवर्क पर नजर रख रही हैं, जिन पर जम्मू-कश्मीर में उग्रवादी गतिविधियों को जारी रखने के लिए ड्रोन, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन भर्ती चैनलों का इस्तेमाल करने का आरोप है। मुहम्मद मुसद्दिक (JeM) पर सुंजवान हमले के लिए घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों में तालमेल बिठाने का आरोप है।

भारत का राष्ट्रहित सर्वोपरि, अफवाह फैलाने वाले निराश: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 04 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया और संशोधित UDAN (उड़े देश का आम नागरिक) योजना लॉन्च की। इसके साथ ही उन्होंने ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स से रिफाइनरी प्रोडक्शन टैंकरों को हरी झंडी दिखाई। इस कॉम्प्लेक्स को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम के तौर पर विकसित किया गया है और प्रधानमंत्री मोदी ने इसी कार्यक्रम में इसे राष्ट्र को समर्पित किया था।

नरेंद्र मोदी ने राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती हुए लगभग 54,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। वहीं, अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में स्थान-स्थान पर इतनी बड़ी मात्रा में लोगों का एकत्र होना,

हम सबको आशीर्वाद देना। ये दिखाता है कि भाजपा सरकार के प्रयासों पर आपका विश्वास कितना बुलंद है। मैं इस समर्थन और स्नेह के लिए राजस्थान की माटी का ऋणी हूं। उन्होंने कहा कि ये धरती अनगिनत वीरों के शौर्य की साक्षी रही है। इस रण के कण-कण ने हमें स्वाभिमान को सर्वोपरि रखने की सीख दी है। और व्यक्ति एवं देश का स्वाभिमान तभी ऊंचा रह सकता है, जब वो आत्मनिर्भर हो, दूसरों पर कम से कम निर्भर हो। आज राजस्थान की इस धरती से भारत ने विकसित और आत्मनिर्भर होने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस रिफाइनरी को देश को समर्पित किया गया है। ये रिफाइनरी यहां हजारों लोगों के रोजगार का माध्यम बनेगी। मैं राजस्थान के युवाओं को इस रिफाइनरी की विशेष तौर पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज का दिन साक्षी है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं को सिर्फ शिलान्यास करके नहीं छोड़ती। बल्कि हम उन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भी दिन-रात एक कर देते हैं। दो महीने पहले यहां जो हादसा हुआ, उसके बाद इतनी तेजी से काम पूरा कर लेना भी परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आप सबने दिखा दिया है कि चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी और अप्रत्याशित क्यों न हो, नया भारत अपने संकल्पों से न तो पीछे हटता है और न ही अपनी रफ्तार कम करता है।

सपा-कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं, वे ध्यान भटकाने के लिए नकारात्मक राजनीति कर रहे : नितिन नवीन

लखनऊ, 04 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सपा-कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं, इसलिए वे जनता का ध्यान भटकाने के लिए नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष शनिवार को यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

बैठक को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा, "सपा-कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं, इसलिए वे जनता का ध्यान भटकाने के लिए नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं।" उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि "हमें विपक्ष के झांसे में नहीं आना है, हमें उप्र के विकास के लिए काम करना है।" नवीन ने कहा, "किसी के दिल में अगर जगह बनानी है, तो उस तक पहुंचना पड़ेगा। आपको हर गांव में प्रवास करना है। हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचना है।" भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि वर्ष 2027 में भी लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत से उप्र में 'डबल इंजन' सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार ने कार्यों का कीर्तिमान बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि "मोदी जी-योगी जी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया है। उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों को सलाह दी कि "आपको हर मतदाता तक 'डबल इंजन' सरकार की योजनाओं एवं पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से पहुंचाना होगा।" नितिन नवीन ने कहा, "प्रभु श्रीराम की भूमि, बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी तथा मथुरा की नगरी में मुझे जो सम्मान मिला, उससे मैं अभिभूत हूं।

भदोही से बुना गया नए नेतृत्व का ताना-बाना, AICMA की कमान उमेश गुप्ता के हाथ

- कालीन भवन, भदोही में ऑल इंडिया कारपेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन की 66वीं वार्षिक आमसभा एवं चुनाव संपन्न
- स्वर्ण जयंती वर्ष में नई कार्यकारिणी का गठन

सुरेश गांधी

भदोही। विश्व पटल पर भारतीय हस्तनिर्मित कालीन की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लेकर देश के सबसे महत्वपूर्ण कालीन उद्योग संगठन ऑल इंडिया कारपेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन को नई नेतृत्व टीम मिल गई। शनिवार को कालीन नगरी भदोही स्थित कालीन भवन में आयोजित 66वीं वार्षिक आमसभा एवं चुनाव में सर्वसम्मति और उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 के लिए

नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उद्योग जगत के वरिष्ठ निर्यातक उमेश कुमार गुप्ता 'मुन्ना' को अध्यक्ष चुना गया, जबकि शमीम अंसारी उपाध्यक्ष, असीम अंसारी (बॉबी) मानद सचिव, शाहिद अंसारी मानद संयुक्त सचिव और जेपी गुप्ता मानद कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

बता दें, मुन्ना तीन दशक से कारपेट इंडस्ट्री में 1994 से 2021 तक निर्यातक एवं बुनकरों के कल्याण के लिए संघर्षरत है. इस दौरान वे कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के आठ बार प्रशासनिक सदस्य भी चुने गए. चुनाव के साथ ही कालीन भवन एक बार फिर उद्योग की नई दिशा तय करने का साक्षी बना। देश-विदेश में भारतीय कालीनों की बढ़ती मांग, बदलते वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य, निर्यात संबंधी चुनौतियों, नई तकनीक, डिजाइन नवाचार और कारीगरों के हितों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने माना कि भदोही-मिजार्पुर का कालीन उद्योग केवल एक व्यापार नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका और भारत की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है।नवनिर्वाचित अध्यक्ष उमेश गुप्ता ने कहा कि संगठन उद्योग के हर वर्ग–निर्यातक, उद्यमी, बुनकर और कारीगर–को साथ लेकर आगे बढ़ेगा। बदलते अंतरराष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप भारतीय कालीन उद्योग को और प्रतिस्पर्धी बनाने, निर्यात को नई गति देने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के समक्ष उद्योग की समस्याओं को मजबूती से रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन की प्राथमिकता उद्योग की एकजुटता, गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक बाजार में भारतीय कालीन की प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ करना होगी। आमसभा में आगामी 50वें (गोल्डन जुबली) इंडिया कारपेट एक्सपो-2026 को ऐतिहासिक और भव्य बनाने पर भी विशेष मंथन हुआ। सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि स्वर्ण जयंती वर्ष में आयोजित होने वाला यह एक्सपो भारतीय कालीन उद्योग के लिए वैश्विक व्यापार के नए अवसर खोलेगा और भदोही-मिजार्पुर की पहचान को विश्व बाजार में और अधिक मजबूत करेगा। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष मंडल के अलावा अरशद वजीरी, असलम महबूब, अशफाक अंसारी, आलोक कुमार बरनवाल, इश्तियाक अहमद खान, राजेश कुमार मिश्रा, उमेश कुमार शुक्ला, संजय कुमार गुप्ता, भारत लाल मौर्य, इम्तियाज अहमद अंसारी, पंकज कुमार बरनवाल, के.एस. तिवारी, संजीव खन्ना, अमित कुमार मौर्य, अब्दुल सत्तार अंसारी, सादिक अली अंसारी, सुजीत कुमार जायसवाल आदि ।,

20 जुलाई से शुरू होगा मॉनसून सत्र, 13 अगस्त तक चलेगा

नई दिल्ली, 04 जुलाई। अप्रैल में संसद की पिछली बैठक के बाद से राजनीतिक हालात में काफी बदलाव आया है। 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में सदन के भीतर नया राजनीतिक समीकरण और बदली हुई केमिस्ट्री देखने को मिलेगी, जिसमें सदन की बनावट में कुछ बेहद चौंकाने वाले और दूरगामी बदलाव शामिल होंगे। दल-बदल, नए गठबंधन, विलय, बैठने की नई व्यवस्था और बदले हुए हालात एक हंगामेदार सत्र का संकेत देते हैं। चार हफ़्ते तक चलने वाले इस सत्र में 19 बैठकें होंगी और यह 13 अगस्त तक चलेगी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि भारत सरकार की सिफारिश पर, माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद के दोनों सदनों को मानसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई, 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त, 2026 तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस में फूट, उद्धव सेना में दलबदल और DMK-कांग्रेस के अलग होने से सदन में संख्या बल बदलने वाला है। सत्ता पक्ष की संख्या बढ़ने और विपक्ष की संख्या घटने की संभावना है। भौगोलिकसंदर्भ

सत्र शुरू होने से पहले, स्पीकर ओम बिरला 20 बागी तृणमूल सांसदों के कम चर्चित NCPI में विलय पर फैसला लेंगे। वह उद्धव सेना के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय पर भी फैसला करेंगे। एक और अहम बदलाव तमिलनाडु में कांग्रेस और TVK के बीच गठबंधन के बाद INDIA ब्लॉक और DMK का अलग होना है।

अयोध्या के बाद अब बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर में दान की चोरी के आरोपों से हड़कंप

नई दिल्ली, 04 जुलाई। अयोध्या के राम मंदिर में दान के कथित गबन को लेकर जारी राष्ट्रव्यापी विवाद के बीच, अब देश के एक और प्रसिद्ध तीर्थ स्थल से ऐसा ही बड़ा मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर दान और चढ़ावे के कथित गलत इस्तेमाल के दावे वायरल होने के बाद, श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) में

हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए समिति ने श्री बद्रीनाथ धाम में दान और चढ़ावे के कथित गबन के आरोपों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। BKTC के चेयरमैन हेमंत द्विवेदी ने कहा कि समिति ने मामले की निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित जांच के लिए एक जांच पैनल बनाने का आदेश दिया है और संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद अगर कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।इन दावों का संज्ञान लेते हुए समिति ने कहा कि उसने 24 घंटे के भीतर कार्रवाई शुरू कर दी थी और लाखों भक्तों की इस मंदिर में अटूट आस्था को देखते हुए इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। एक वीडियो संदेश में द्विवेदी ने कहा, श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर धाम में दान और चढ़ावे के कथित गबन को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही खबरों और आरोपों के संबंध में, मैं यह कहना चाहता हूं कि मंदिर समिति ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। हमारे मुख्य कार्यकारी अधिकारीने गिनती की प्रक्रिया में शामिल सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को नोटिस खास तौर पर कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

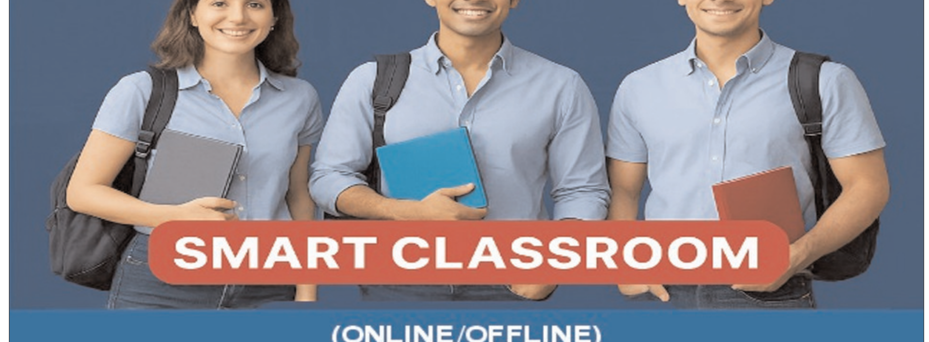

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

125वीं जयंती (6 जुलाई 2026) पर विशेष

नए भारत के शिल्पकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

-ललित गर्ग

भारत का इतिहास केवल उन व्यक्तियों को याद नहीं रखता जिन्होंने सत्ता संभाली, बल्कि उन महापुरुषों को भी स्मरण करता है जिन्होंने राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित की। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही राष्ट्रपुरुष एवं राष्ट्र-निमार्ता थे, जिनकी दृष्टि तत्कालीन राजनीति की सीमाओं से कहीं आगे जाकर एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर, सांस्कृतिक रूप से जागृत और अखण्ड भारत के निर्माण पर केन्द्रित थी। उनकी 125वीं जयंती ऐसे समय में मनाई जा रही है जब भारत ह्यविकसित भारत-2047ह्ण के राष्ट्रीय संकल्प के साथ विश्व की अग्रणी शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह केवल एक संयोग नहीं, बल्कि इतिहास का वह बिंदु है जहाँ डॉ. मुखर्जी के विचार और वर्तमान भारत की विकास यात्रा एक-दूसरे से मिलते दिखाई देते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन केवल एक राजनेता का जीवन नहीं था, वे एक विलक्षण शिक्षाविद्, दूरदर्शी चिंतक, निर्भीक राष्ट्रवादी, कुशल प्रशासक और लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रवाद को कभी संकीर्ण राजनीतिक विचारधारा नहीं माना, बल्कि उसे भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और जनकल्याण का आधार बताया। उनका मानना था कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना से निर्मित एक जीवंत राष्ट्र है।

आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत-2047 और विश्वगुरु भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप देने में जुटे हैं, तब डॉ. मुखर्जी की वैचारिक विरासत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अनेक अवसरों पर उन्हें आधुनिक भारत के महान निमार्ताओं में स्थान दे चुके हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक परिवर्तन नहीं था, बल्कि डॉ. मुखर्जी के उस अधूरे संकल्प की ऐतिहासिक पूर्णता थी जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन तक न्योछावर कर दिया था। डॉ. मुखर्जी ने स्पष्ट कहा था एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की अखण्ड राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि राष्ट्रीय एकता किसी समझौते का विषय नहीं हो सकती। आज जम्मू-कश्मीर का पूर्ण संवैधानिक एकीकरण उनके बलिदान का जीवंत स्मारक है।

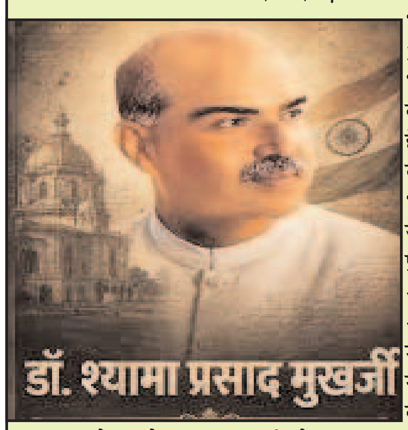

डॉ. मुखर्जी का व्यक्तित्व जितना राजनीतिक था, उससे कहीं अधिक बौद्धिक और शैक्षणिक था। मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनना उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण था। उन्होंने शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार माना। उनका विश्वास था कि ऐसी शिक्षा, जिसमें विज्ञान की आधुनिकता और अध्यात्म की संवेदनशीलता का समन्वय हो, वही भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकती है। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा, मातृभाषा, अनुसंधान और नवाचार पर जो बल दिया जा रहा है, उसमें भी कहीं न कहीं डॉ. मुखर्जी की शिक्षा-दृष्टि की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और उत्पादन-आधारित विकास से जोड़कर देखा। उनका मानना था कि आर्थिक स्वतंत्रता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। आज भारत विनिर्माण, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और वैश्विक निवेश के क्षेत्र में जो नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है, वह उसी आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करता है जिसका बीजारोपण स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में अनेक राष्ट्रनिमार्ताओं ने किया था।

डॉ. मुखर्जी लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित नहीं मानते थे। उनके लिए लोकतंत्र का अर्थ था- नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, समान अधिकार और राष्ट्रहित सर्वोपरि। उन्होंने सत्ता के विरोध में भी वही कहा जिसे वे राष्ट्रहित में उचित मानते थे। नेहरू मंत्रिमंडल से उनका त्यागपत्र सिद्धांतों की राजनीति का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज जब राजनीति में मूल्य, नैतिकता और वैचारिक प्रतिबद्धता की चर्चा होती है, तब उनका जीवन आदर्श प्रश्न बनकर सामने आता है। भारत के विभाजन के समय उन्होंने बंगाल के हिंदू-बहुल क्षेत्रों को भारत में बनाए रखने के लिए जो संघर्ष किया, वह उनके दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण था। यदि उनका हस्तक्षेप न होता तो आज का पश्चिम बंगाल भी भारत का हिस्सा न होता। उन्होंने विभाजन को ऐतिहासिक विवशता माना, लेकिन सांस्कृतिक भारत की एकता को कभी खंडित नहीं माना। उनका अखण्ड भारत का विचार किसी भू-राजनीतिक विस्तार का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समरसता, साझा विरासत और सभ्यतागत एकात्मता का विचार था। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने ऐसी राजनीतिक संस्कृति की नींव रखी जिसमें राष्ट्र सर्वोपरि हो, शासन पारदर्शी हो और राजनीति सेवा का माध्यम बने। आज भारतीय लोकतंत्र जिस परिपक्वता के साथ विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित है, उसमें उनके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। उन्होंने वैचारिक विपक्ष को लोकतंत्र की आवश्यक शक्ति माना और स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद का समर्थन किया।

आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का राष्ट्रीय लक्ष्य केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, तकनीकी नेतृत्व, पर्यावरणीय संतुलन, सुशासन और वैश्विक उत्तरदायित्व का समेकित संकल्प है। इस संकल्प की वैचारिक भूमि पर यदि किसी राष्ट्रपुरुष की छाप स्पष्ट दिखाई देती है, तो उनमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका विश्वास था कि भारत अपनी सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखते हुए ही आधुनिकता का नेतृत्व कर सकता है। यही आज के भारत की मूल पहचान भी बन रही है। भारत की युवा पीढ़ी के लिए डॉ. मुखर्जी का जीवन विशेष प्रेरणा है। उन्होंने सिद्ध किया कि आयु नहीं, दृष्टि राष्ट्र निर्माण करती है। युवा कुलपति, युवा सांसद, युवा केंद्रीय मंत्री और एक नए राजनीतिक आंदोलन के संस्थापक के रूप में उन्होंने युवाओं को नेतृत्व, साहस और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। आज जब भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है, तब उनके विचार युवाओं को केवल सफल नहीं, बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रवाद समावेशी था। वे भारत की विविधता को उसकी शक्ति मानते थे। उनका आग्रह था कि भाषा, क्षेत्र, जाति और पंथ की विविधताओं के बावजूद भारत की राष्ट्रीय पहचान एक ही है। आज ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्ण का अभियान इसी राष्ट्रीय एकात्मता को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उनका जीवन यह भी सिखाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि भारत को 2047 तक विकसित, समृद्ध और विश्वगुरु बनाना है तो केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। हमें चरित्रवान नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच, सांस्कृतिक आत्मगौरव, नैतिक राजनीति और उत्तरदायी लोकतंत्र का भी निर्माण करना होगा। यही डॉ. मुखर्जी का वास्तविक संदेश था। आज आवश्यकता केवल उनकी जयंती मनाने की नहीं, बल्कि उनके विचारों को राष्ट्रीय जीवन में उतारने की है। जब भारत वैश्विक मंच पर नई भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें यह विश्वास दिलाता है कि जो राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा रहता है, वही आधुनिकता के शिखर तक पहुंचता है। उनकी 125वीं जयंती पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि हम उनके राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक मूल्यों, शिक्षा-दृष्टि, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक चेतना और अखण्ड भारत के संकल्प को अपने राष्ट्रीय चरित्र का अंग बनाएं। यदि हम ऐसा कर सकें, तो वर्ष 2047 का विकसित, समृद्ध, आत्मविश्वासी और विश्वगुरु भारत केवल एक सपना नहीं रहेगा, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की दूरदृष्टि और करोड़ों भारतीयों के सामूहिक पुरुषार्थ से साकार होने वाला ऐतिहासिक यथार्थ बनेगा। उनके विचार आज भी भारत की यात्रा के पथप्रदर्शक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बने रहेंगे।

क्या पंजाब कांग्रेस में भी बगावत होगी ?

अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति में पंजाब एक ऐसा राज्य रहा है, जहाँ की सियासत कभी भी एक ढर्रे पर नहीं चलती। लेकिन हाल के दिनों में पंजाब कांग्रेस के भीतर जो कुछ भी घटित हो रहा है, उसने यह साफ कर दिया है कि पार्टी के भीतर अंदरूनी असंतोष का ज्वालामुखी एक बार फिर फटने की कगार पर है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा किए गए नए सांगठनिक फेरबदल और चुनावी समितियों के गठन ने पंजाब कांग्रेस की पुरानी दरारों को फिर से चौड़ा कर दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर के मौजूदा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के गुट द्वारा पार्टी हाईकमान के खिलाफ खोला गया मोर्चा कोई तात्कालिक गुस्सा नहीं, बल्कि सत्ता की महत्वाकांक्षा, जातीय समीकरणों की अनदेखी और नेतृत्व की खींचतान का एक लंबा और पेचीदा सिंड्रोम है। सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस आलाकमान इतिहास से सबक लेने में पूरी तरह नाकाम रहा है? क्या पार्टी एक बार फिर 2022 के उस आत्मघाती दौर की ओर बढ़ रही है, जिसने हंसते-खेलते सूबे को आम आदमी पार्टी की झोली में डाल दिया था?

बताया जाता है कि विवाद की तात्कालिक शुरूआत तब हुई जब कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अपनी प्रमुख कमेटियों की घोषणा की। उम्मीद जताई जा रही थी कि जमीनी कार्यकताओं की मांग और पिछले कुछ समय से चल रही सुगबुगाहट को देखते हुए चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष बनाया जाएगा। लेकिन हाईकमान ने 'यथास्थिति' बनाए रखने का फैसला किया। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष पद पर बरकरार रखा गया और प्रताप सिंह बाजवा को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की कमान सौंपे रखी गई। चन्नी को संतुष्ट करने के लिए उन्हें केवल चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।यह फैसला चन्नी और उनके समर्थकों के घावों पर नमक छिड़कने जैसा साबित हुआ। चन्नी गुट का मानना है कि प्रचार समिति का प्रमुख बनाना महज एक कागजी औहदा है, जबकि संगठन की असली चाबी और टिकट वितरण का अधिकार राजा वड़िंग के हाथों में ही रहेगा। इसी असंतोष के चलते चन्नी ने मोरिंडा में अपने आवास पर एक आपातकालीन बैठक बुलाई। इस बैठक में ५ मौजूदा विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व मंत्रियों और जिला अध्यक्षों समेत करीब 65 वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि बगावत की जड़ें बहुत गहरी हो चुकी हैं।

चन्नी समर्थकों ने सीधे तौर पर वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की कार्यशैली और लोकप्रियता पर हमला बोला है। मोरिंडा की बैठक में पूर्व विधायक दर्शन सिंह बराड़ और तरसेम सिंह डीसी जैसे वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा कि राजा वड़िंग के नेतृत्व में कांग्रेस पंजाब में दोबारा सरकार नहीं बना सकती। उनके अनुसार, जनता के बीच वड़िंग की स्वीकार्यता कम हुई है और कार्यकर्ता उनके तहत काम करने में असहज महसूस कर रहे हैं।चन्नी खेमे की दलील है कि यदि पार्टी को पंजाब में सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाकर वापसी करनी है, तो उसे एक ऐसे चेहरे को आगे करना होगा जिसकी स्वीकार्यता राज्य के हर वर्ग में हो। उनके मुताबिक चन्नी ही वह एकमात्र चेहरा हैं जो दलित समाज के साथ-साथ आम जनता को पार्टी से जोड़ सकते हैं।

पंजाब की सियासत को बिना जातिगत और क्षेत्रीय गणित के नहीं समझा जा सकता। पंजाब में लगभग 32 से 34 प्रतिशत आबादी दलित (अनुसूचित जाति) समुदाय की है, जो देश के किसी भी राज्य में सबसे अधिक अनुपात है। राजा वड़िंग और प्रताप सिंह बाजवा दोनों ही जाट सिख समुदाय से आते हैं। कांग्रेस की मौजूदा संरचना में दोनों शीर्ष पदों पर जाट सिखों का कब्जा है। चन्नी समर्थकों का आरोप है कि आलाकमान ने पंजाब की एक-तिहाई से अधिक दलित आबादी की भावनाओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। 2021 में जब कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाया गया था, तब कांग्रेस ने चन्नी को पंजाब का पहला दलित मुख्यमंत्री बनाकर एक बड़ा दांव खेला था। हालांकि, अंदरूनी कलह (विशेषकर नवजोत सिंह सिद्धू की हठधर्मिता) के कारण वह प्रयोग विफल रहा। अब चन्नी समर्थक उसी 'अधूरे नैरेटिव' को दोबारा भुनाना चाहते हैं। उनका दावा है कि दलित मतदाता चन्नी के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा और यदि चन्नी को चेहरा नहीं बनाया गया, तो यह बड़ा वोट बैंक पूरी तरह कांग्रेस से छिटक जाएगा।

मोरिंडा में जुटी राजनीतिक भीड़ ने केवल प्रस्ताव पारित नहीं किए, बल्कि दिल्ली दरबार को सीधे चुनौती दी है। चन्नी गुट ने एक विशेष कमेटी का गठन कर कांग्रेस आलाकमान को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए 7 दिनों का सख्त अल्टीमेटम दिया है। दबाव की रणनीति को और धार देने के लिए चन्नी के वफादारों ने सामूहिक इस्तीफे की धमकी दी है। रणनीति यह है कि यदि एक सप्ताह के भीतर दिल्ली से कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिलता, तो कई पदाधिकारी और पूर्व विधायक पार्टी के पदों से सामूहिक रूप से त्यागपत्र देकर सांगठनिक संकट खड़ा कर देंगे।यह स्थिति कांग्रेस के लिए बेहद असहज करने वाली है। एक तरफ संसद में विपक्ष के रूप में पार्टी मजबूत हो रही है, वहीं दूसरी तरफ पंजाब जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में गृहयुद्ध जैसी स्थिति बन गई है।

पंजाब कांग्रेस की यह कलह केवल चन्नी बनाम राजा वड़िंग तक सीमित नहीं है। असंतोष की लहरें पार्टी के अन्य कोनों तक भी पहुंच रही हैं।आनंदपुर साहिब से वरिष्ठ सांसद और देश के जाने-माने नेता मनीष तिवारी ने भी चुनावी समितियों के गठन के बाद सोशल मीडिया (X) पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उनका यह कहना कि वे खुद को उपेक्षित और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, दिखाता है कि पार्टी के भीतर हिंदू नेताओं का एक वर्ग भी सांगठनिक फैसलों से खुश नहीं है। वहीं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा की हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात ने सियासी गलियारों में तूफान ला दिया है। हालांकि रंधावा ने इसे एक शिष्टाचार और गैर-राजनीतिक भेंट करार दिया है, लेकिन पंजाब की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस मुलाकात के कई अर्थ निकाले जा रहे हैं। क्या भाजपा पंजाब में कांग्रेस के असंतुष्ट धड़े पर डोरे डाल रही है? यह सवाल अब हवा में तैर रहा है।

गौरतलब है कि पंजाब कांग्रेस का इतिहास आंतरिक गुटबाजी और बगावत की कहानियों से भरा पड़ा है। राजिंदर कौर भट्ठल के दौर से लेकर कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच चली लंबी जंग तक, पार्टी ने हमेशा अंतर्कलह के कारण अपनी बनी-बनाई सरकारें और जनाधार गंवाया है। वर्ष 2021-22 का घटनाक्रम इसका सबसे ताजा और जीवंत उदाहरण है। उस समय नवजोत सिंह सिद्धू की महत्वाकांक्षाओं को हवा देकर आलाकमान ने कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसी मजबूत राजनीतिक शख्सियत को बाहर का रास्ता दिखाया। परिणाम यह हुआ कि पार्टी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और आम आदमी पार्टी ने तीन-चौथाई बहुमत के साथ सत्ता पर कब्जा कर लिया। आज एक बार फिर वही स्क्रिप्ट दोहराई जाती दिख रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार किरदारों के नाम बदल गए हैं, लेकिन रंगमंच और त्रासदी वही पुरानी है।

कांग्रेस आलाकमान के सामने अब 'आगे कुआं, पीछे खाई' जैसी स्थिति है। यदि वह चन्नी गुट के दबाव में आकर राजा वड़िंग को हटाता है, तो इससे पार्टी के भीतर यह संदेश जाएगा कि ब्लैकमेलिंग और बगावत के आगे आलाकमान झुक जाता है। इसके अलावा, जाट सिख लॉबी में भी नाराजगी फैल सकती है। इसके विपरीत, यदि आलाकमान चन्नी की मांगों को पूरी तरह खारिज कर देता है, तो पार्टी में एक बड़ा विभाजन तय है। चन्नी समर्थकों की सामूहिक बगावत न केवल आगामी चुनावों में कांग्रेस की संभावनाओं को मटियामेट कर देगी, बल्कि राज्य के बड़े दलित वोट बैंक में भी नकारात्मक संदेश भेजेगी।

पंजाब में शिरोमणि अकाली दल अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, भाजपा लगातार अपना आधार बढ़ाने की कोशिश में है, और आम आदमी पार्टी सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है। ऐसे स्वर्णिम अवसर पर कांग्रेस के पास वापसी का सबसे बेहतरीन मौका था। लेकिन अंदरूनी कलह ने पार्टी को बैकफुट पर धकेल दिया है।

देखा जाय तो पंजाब कांग्रेस के भीतर मची यह रार केवल पदों की लड़ाई नहीं, बल्कि आत्मघाती राजनीति का चरम है। राजनीति का यह बुनियादी नियम है कि जो दल आपस में लड़ते हैं, जनता उन पर राज्य सौंपने का भरोसा कभी नहीं करती। मोरिंडा की बैठक से निकला ७ दिनों का अल्टीमेटम अब दिल्ली में बैठे मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता की परीक्षा लेगा। यदि समय रहते इस असंतोष की आग को नहीं बुझाया गया, तो पंजाब कांग्रेस का यह जहाज 2027 के चुनावी समंदर में उतरने से पहले ही आंतरिक विस्फोट से डूब जाएगा।

अचानक बंद होते ई रिक्शा

- महेन्द्र तिवारी

हाल के दिनों में ई रिक्शा से जुड़ी एक ऐसी घटना सामने आई जिसने तकनीक, सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में कुछ लोग मोबाइल फोन पर एक ऐप का उपयोग करके चलते हुए ई रिक्शों को अचानक रोकते दिखाई दिए। पहले इसे सामान्य शरारत या इंटरनेट पर लोकप्रिय होने की कोशिश माना गया, लेकिन जैसे जैसे अधिक वीडियो सामने आए और चालकों की शिकायतें बढ़ीं, मामला प्रशासन और सरकार के संज्ञान में पहुंच गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार इअळ इटर नामक एक मोबाइल ऐप, जो मूल रूप से ब्लूटूथ आधारित लिथियम बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम की निगरानी के लिए बनाया गया था, उसका दुरुपयोग कुछ लोगों द्वारा किया जा रहा था। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल सुविधाओं से लैस आधुनिक वाहन केवल यांत्रिक प्रणाली नहीं रह गए हैं बल्कि वे साइबर सुरक्षा से भी सीधे जुड़े हुए हैं।

भारत में ई रिक्शा लाखों लोगों की आजीविका का साधन हैं। छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक ये सस्ती, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन सेवा प्रदान करते हैं। हजारों परिवारों की रोजी रोटी इन वाहनों पर निर्भर है। ऐसे में यदि कोई तकनीकी कमजोरी इन वाहनों को अचानक बीच सड़क पर रोक सकती है तो यह केवल चालक की परेशानी नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का भी गंभीर प्रश्न बन जाता है। किसी व्यस्त चौराहे, फ्लाईओवर या बाजार में अचानक रुक जाने वाला वाहन दुर्घटना का कारण बन सकता है। यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है और चालक की दैनिक आय भी प्रभावित होती है।

इअळ इटर जैसे ऐप का मूल उद्देश्य बैटरी की स्थिति पर नजर रखना है। आधुनिक लिथियम आयन बैटरियों में बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम लगाया जाता है जो बैटरी के तापमान, वोल्टेज, चार्ज और डिस्चार्ज जैसी जानकारियों की निगरानी करता है। कई कंपनियां सुविधा के लिए इन प्रणालियों में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी भी देती हैं ताकि मोबाइल फोन के माध्यम से उपयोगकर्ता बैटरी की जानकारी देख सके। सामान्य परिस्थितियों में यह एक उपयोगी सुविधा है क्योंकि इससे बैटरी की स्थिति का पता चलता रहता है और रखरखाव आसान हो जाता है। लेकिन यदि इस कनेक्टिविटी में पर्याप्त सुरक्षा न हो तो वही सुविधा जोखिम में बदल सकती है।

तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि वायरल घटनाओं में सभी ई रिक्शा प्रभावित नहीं हुए बल्कि केवल वे वाहन प्रभावित होने की संभावना रखते हैं जिनमें विशेष प्रकार का ब्लूटूथ आधारित बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम लगा था। रिपोर्टों के अनुसार यह ऐप इंटरनेट के माध्यम से दूर बैठे व्यक्ति द्वारा पूरे शहर के वाहन बंद नहीं करता, बल्कि सीमित ब्लूटूथ दूरी के भीतर उपलब्ध असुरक्षित बैटरियों से जुड़ सकता है। यदि किसी बैटरी में मजबूत प्रमाणीकरण या पासवर्ड सुरक्षा नहीं है तो अनधिकृत व्यक्ति उससे कनेक्ट होकर कुछ नियंत्रण संबंधी कमांड भेज सकता है। इसका अर्थ यह है कि समस्या का केंद्र कमजोर साइबर सुरक्षा है, न कि कोई रहस्यमय दूरस्थ हैकिंग।

सोशल मीडिया ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया। कुछ लोगों ने इसे मनोरंजन का साधन समझकर वीडियो बनाए और साझा किए। लेकिन ऐसे वीडियो देखते ही देखते हजारों लोगों तक पहुंच गए और कई युवाओं ने इसे दोहराने की कोशिश की। इंटरनेट पर लोकप्रियता पाने की होड़ में यह भूल गया कि जिस वाहन को रोका जा रहा है उसके भीतर यात्री बैठे हैं और चालक की आजीविका उससे जुड़ी है। सड़क पर चलती गाड़ी को अचानक रोक देना किसी मजाक की श्रेणी में नहीं आता बल्कि इससे गंभीर दुर्घटना भी हो सकती है। इसी कारण पुलिस और प्रशासन ने ऐसी गतिविधियों को कानून के दायरे में लाने की चेतावनी दी है।

इस विवाद के सामने आने के बाद सरकार ने भी तेजी से कदम उठाए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार संबंधित ऐप और उससे जुड़े कुछ अन्य माध्यमों पर कार्रवाई की गई तथा जांच शुरू की गई कि वास्तव में यह ऐप किन परिस्थितियों में वाहनों को प्रभावित कर सकता है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि कहीं कमजोर सुरक्षा वाले बैटरी प्रबंधन सिस्टम या बिना प्रमाणित इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल तो इस समस्या की जड़ नहीं हैं। सरकार का उद्देश्य केवल एक ऐप पर कार्रवाई करना नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि भविष्य में ऐसी कमजोरियां दोबारा सामने न आएं।

यह घटना भारत में तेजी से बढ़ रहे कनेक्टेड वाहनों की दुनिया के लिए भी चेतावनी है। आज केवल ई रिक्शा ही नहीं बल्कि कार, बस, ट्रक और दोपहिया वाहन भी डिजिटल तकनीक से लैस होते जा रहे हैं। इनमें जीपीएस, मोबाइल ऐप, वायरलेस अपडेट और क्लाउड आधारित सेवाओं का उपयोग बढ़ रहा है। जितनी अधिक डिजिटल सुविधाएं बढ़ेंगी, उतना ही साइबर सुरक्षा का महत्व भी बढ़ेगा। यदि सुरक्षा को प्रारंभिक डिजाइन का हिस्सा नहीं बनाया गया तो भविष्य में इसी प्रकार की घटनाएं अन्य वाहनों में भी देखने को मिल सकती हैं।

निमार्ताओं की जिम्मेदारी इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण है। किसी भी स्मार्ट बैटरी या वाहन नियंत्रण प्रणाली को डिजाइन करते समय केवल सुविधा पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। मजबूत पासवर्ड, एन्क्रिप्शन, सुरक्षित ब्लूटूथ पेयरिंग, डिजिटल प्रमाणन और नियमित फर्मवेयर अपडेट जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। यदि कोई सिस्टम बिना पहचान सत्यापन के किसी भी मोबाइल फोन से जुड़ जाता है तो वह शुरूआत से ही जोखिम में है। आधुनिक साइबर सुरक्षा का मूल सिद्धांत यही है कि किसी भी उपकरण तक पहुंच केवल अधिकृत उपयोगकर्ता को मिले।

सर्विस सेंटरों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। कई बार स्थानीय स्तर पर सस्ते या बिना प्रमाणित इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल लगा दिए जाते हैं ताकि लागत कम रहे। लेकिन ऐसे उपकरणों में सुरक्षा मानकों का अभाव हो सकता है। यदि बैटरी बदली जा रही है या नया कंट्रोलर लगाया जा रहा है तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वह प्रमाणित निमार्ता का हो और उसमें आवश्यक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध हों। तकनीशियनों को भी यह प्रशिक्षण मिलना चाहिए कि वे केवल यांत्रिक खराबी ही नहीं बल्कि साइबर सुरक्षा संबंधी समस्याओं की भी पहचान कर सकें।

चालकों और वाहन मालिकों को भी जागरूक होना होगा। यदि वाहन में मोबाइल ऐप के माध्यम से कनेक्टिविटी उपलब्ध है तो उसका डिफॉल्ट पासवर्ड बदलना चाहिए। अनजान लोगों को ब्लूटूथ पेयरिंग की अनुमति नहीं देनी चाहिए। यदि निमार्ता कोई सुरक्षा अपडेट जारी करे तो उसे समय पर स्थापित करना चाहिए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में अधिकृत सर्विस सेंटर से जांच करानी चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस या साइबर सेल को सूचना देनी चाहिए। डिजिटल सुरक्षा अब केवल कंप्यूटर उपयोगकताओं की जिम्मेदारी नहीं रही बल्कि वाहन मालिकों की भी जिम्मेदारी बन चुकी है।

नीतिगत स्तर पर भी कई सुधारों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। भारत में ई रिक्शा और अन्य छोटे इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसलिए उनके लिए न्यूनतम साइबर सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाने चाहिए। जिस प्रकार ब्रेक, लाइट और अन्य यांत्रिक उपकरणों के लिए सुरक्षा मानक होते हैं, उसी प्रकार डिजिटल नियंत्रण प्रणाली और वायरलेस मॉड्यूल के लिए भी अनिवार्य मानक होने चाहिए। प्रमाणित परीक्षण के बाद ही ऐसे उपकरणों को बाजार में बिक्री की अनुमति दी जानी चाहिए।

इस घटना का आर्थिक प्रभाव भी कम नहीं है। यदि चालकों का भरोसा आधुनिक तकनीक से उठने लगेगा तो वे नई बैटरियों या स्मार्ट प्रणालियों को अपनाने से हिचकेंगे। इससे इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की प्रगति प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि कंपनियां बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराती हैं तो शुरूआती लागत कुछ बढ़ सकती है, लेकिन इससे उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होगा और लंबे समय में उद्योग को ही लाभ मिलेगा। सुरक्षित तकनीक हमेशा टिकाऊ बाजार का आधार बनती है।

मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी तकनीकी घटना की रिपोर्टिंग तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। बिना पुष्टि के यह कहना कि सभी ई रिक्शा इंटरनेट के माध्यम से कहीं से भी बंद किए जा सकते हैं, अनावश्यक भय पैदा कर सकता है। वहीं वास्तविक सुरक्षा जोखिमों को छिपाना भी उचित नहीं होगा। संतुलित और तथ्य आधारित रिपोर्टिंग से ही जनता सही जानकारी प्राप्त कर सकती है और अफवाहों पर रोक लग सकती है।

इस पूरे प्रकरण से एक व्यापक संदेश भी निकलता है। डिजिटल युग में किसी भी नई सुविधा के साथ नई जिम्मेदारियां भी आती हैं। पहले वाहन की सुरक्षा का अर्थ केवल मजबूत इंजन, अच्छे ब्रेक और सुरक्षित ढांचा होता था। अब उसमें सुरक्षित सॉफ्टवेयर, सुरक्षित संचार प्रणाली और सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण भी शामिल हो चुके हैं। भविष्य के वाहन केवल मशीन नहीं होंगे बल्कि चलते फिरते डिजिटल उपकरण भी होंगे। इसलिए साइबर सुरक्षा अब वैकल्पिक विषय नहीं बल्कि सड़क सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

BAT BMS विवाद ने यह दिखा दिया कि तकनीक का गलत उपयोग कितनी तेजी से सामाजिक समस्या बन सकता है। एक ऐसा ऐप जिसे बैटरी की निगरानी के लिए बनाया गया था, उसके कथित दुरुपयोग ने हजारों चालकों की चिंता बढ़ा दी। हालांकि अभी भी प्रत्येक घटना की तकनीकी जांच आवश्यक है और सभी मामलों को एक ही कारण से जोड़ना उचित नहीं होगा, फिर भी यह स्पष्ट है कि कमजोर सुरक्षा वाले डिजिटल उपकरण सार्वजनिक जोखिम पैदा कर सकते हैं। अंततः यह घटना केवल एक ऐप या एक कंपनी तक सीमित नहीं है। यह पूरे डिजिटल परिवहन तंत्र के लिए चेतावनी है कि सुविधा और सुरक्षा दोनों को साथ लेकर चलना होगा। यदि निमार्ता मजबूत सुरक्षा अपनाएं, सरकार स्पष्ट मानक बनाए, तकनीशियन प्रमाणित उपकरणों का उपयोग करें, चालक डिजिटल सावधानी बरतें और कानून का प्रभावी पालन हो, तो ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है। भारत तेजी से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ रहा है और यह आवश्यक है कि यह यात्रा केवल हरित ऊर्जा की नहीं बल्कि सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल तकनीक की भी हो। तभी ई रिक्शा वास्तव में आम नागरिक के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और भविष्य उन्मुख परिवहन का माध्यम बन सकेंगे।

ग्राम सभा से सुशासन तक,समृद्ध बिहार की नयी विकास गाथा

ग्रामीण भारत की आत्मा उसके गांवों और पंचायतों में बसती है। लोकतंत्र की सबसे सशक्त इकाई ग्राम सभा मानी जाती है, जहां आम नागरिक सीधे विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बनता है। यदि गांव सशक्त होंगे तो राज्य मजबूत होगा और राज्य मजबूत होगा तो देश भी आत्मनिर्भर बनेगा। इसी सोच को आधार बनाकर बिहार सरकार ने प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को पंचायत विकास दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य ग्राम सभाओं को अधिक सक्रिय, जवाबदेह और सहभागी बनाते हुए ग्रामीण विकास को जनआंदोलन का स्वरूप देना है।

इसी क्रम में पंचायत विकास दिवस के अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुंगेर जिले के टेटिया बंबर पंचायत पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीण विकास, पंचायती राज व्यवस्था और आत्मनिर्भर बिहार की परिकल्पना को विस्तार से रखा। कार्यक्रम में जमुई के सांसद अरुण भारती, जिला प्रभारी मंत्री संजय कुमार सिंह, बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, प्रमंडलीय आयुक्त प्रेम सिंह मीणा, पुलिस उप महानिरीक्षक राकेश कुमार, जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर, पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और हजारों ग्रामीण उपस्थित थे। जीविका समूह की प्रतिनिधि धर्मशिला देवी की उपस्थिति ने महिला सहभागिता को भी रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा, जब बिहार समृद्ध होगा और बिहार तभी समृद्ध होगा, जब उसके गांव आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ग्रामीण विकास को केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि जनभागीदारी के माध्यम से इसे सामाजिक आंदोलन का रूप देना चाहती है। उन्होंने घोषणा की कि अब प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को ग्राम सभा की अनिवार्य बैठक होगी। इन बैठकों में स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन, जल संरक्षण, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा, हरित विकास, शिक्षा और पंचायत की विकास योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। पंचायतों के वित्तीय लेन-देन और योजनाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से ग्राम सभा में रखी जाएगी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय का वास्तविक अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देना है। पंचायत विकास दिवस इसी लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करेगा। गांव के लोग स्वयं अपनी आवश्यकताओं को चिन्हित करेंगे, प्राथमिकताएं तय करेंगे और विकास कार्यों की निगरानी भी करेंगे। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में जनता की सीधी भागीदारी बढ़ेगी। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राज्य सरकार ने प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सहयोग शिविर आयोजित करने की व्यवस्था की है। इन शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निस्तारण अधिकतम तीस दिनों के भीतर करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़ेंगे और प्रशासन की जवाबदेही बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्रशासन पर विशेष बल देते हुए कहा कि पंचायतों में किए गए सभी विकास कार्यों का विवरण 48 घंटे के भीतर ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। इससे योजनाओं की निगरानी आसान होगी और अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए राज्य को वित्त आयोग के माध्यम से लगभग दस हजार करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं तथा आगामी वित्त आयोग से भी पर्याप्त वित्तीय सहायता मिलने की संभावना है। इन संसाधनों का उपयोग सड़क, पेयजल, नाली, स्वच्छता और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास में किया जाएगा। शिक्षा को ग्रामीण विकास की सबसे मजबूत नींव बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक प्रखंड में मॉडल विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। उनका उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में ऐसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है कि अभिभावकों का भरोसा पुनः सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर कायम हो। साथ ही पूरे राज्य में 213 डिग्री कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि प्रत्येक प्रखंड में उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सके। टेटिया बंबर क्षेत्र में दो डिग्री कॉलेज स्थापित करने की घोषणा भी की गई। इसके अतिरिक्त मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी भी प्रखंड स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे ग्रामीण विद्यार्थियों को बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। ऊर्जा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार बिजली पर प्रतिवर्ष लगभग 23 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है।

अमानवीयता पर भारी पड़ी गौसेवा, राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने बचाई नवजात बछड़े की जान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में मानवता व जीव-दया का एक प्रेरणादायी उदाहरण सामने आया है। गौवंश की सुरक्षा व सेवा के लिए सक्रिय राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने गंभीर रूप से घायल एक नवजात बछड़े की जान बचाने के लिए लगातार प्रयास कर उसे सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराया। जानकारी के अनुसार दांडी ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने एक दर्दनाक हादसे में तेज रफ्तार मैजिक वाहन की चपेट में आने से महज चार दिन का बछड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के गौ रक्षक राहुल हैमबीर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दांडी के गौ रक्षकों ने तत्काल इसकी जानकारी संघ के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेडाडे तथा पालघर तहसील गौ रक्षा प्रमुख शुभम सिंह को दी। बछड़े की गंभीर हालत को देखते हुए बिना समय गंवाए उपचार की व्यवस्था शुरू की गई। सबसे पहले तारापुर के सरकारी पशु चिकित्सक को बुलाकर प्राथमिक उपचार कराया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर अगले दिन बछड़े को बोईसर के सरकारी पशु चिकित्सालय ले जाया गया। वहां भी स्थिति गंभीर रहने पर उसे जिला पशु चिकित्सालय, पालघर रेफर किया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने एक्स-रे सहित आवश्यक जांच कर उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार समय पर इलाज मिलने से बछड़े की हालत में सुधार हो रहा है। उपचार के बाद उसे सुरक्षित गौशाला में रखा गया है, जहां उसकी नियमित देखभाल और दवाइयां दी जा रही हैं। इस सेवा अभियान में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के महाराष्ट्र प्रदेश संगठन मंत्री रोहित सिंह, गौ रक्षक कमलेश गड़वी, गौ रक्षक रवि तथा संगठन के अन्य कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

श्री श्री 1008 महंत दयाराम दास महाराज की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विक्रोली पार्कसाईट स्थित वीर हनुमान राम मंदिर के पूज्य महंत श्री श्री 1008 दयाराम दास जी महाराज की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उपस्थित संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि कार्यक्रम में अयोध्याधाम से पधारे पूज्य श्री फलाहारी बाबा, अंधेरी से श्री शिव दास बाबा, श्री शंकर दास बाबा एवं श्री ओंकार दास बाबा, श्री रामसेवक दास बाबा तथा वीर हनुमान राम मंदिर के वर्तमान महंत श्री गणेश दास जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी संतों ने साकेतवासी महंत दयाराम दास जी महाराज के आध्यात्मिक योगदान को स्मरण करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रो. अभयकांत तिवारी, अरविंद शुक्ला, अजय पांडेय, दिनेश सिंह, निलेश तिवारी (गोपाल), पत्रकार आदेश मिश्र, रवींद्र यादव, शिव प्रकाश सिंह, उदयभान शुक्ल, रंजित सिंह सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं दूर-दराज से आए महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने पूज्य महंत दयाराम दास जी महाराज के चरणों में नमन करते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया।

भारी बारिश के बीच नगर सेविका निम्मी दोशी ने संभाली कमान

वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। लगातार हो रही भारी बारिश के बीच वार्ड क्रमांक 23 की नगर सेविका श्रीमती निम्मी निपुण दोशी ने क्षेत्र का दौरा कर नागरिकों की समस्याओं का जायजा लिया और अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विश्वकर्मा क्षेत्र की 60 फीट रोड पर पेड़ गिरने की सूचना मिलते ही उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर पेड़ हटवाने का कार्य तुरंत पूरा कराया, जिससे यातायात और नागरिकों की आवाजाही सामान्य हो सकी।

इसके बाद उन्होंने 100 फीट रोड, साईं नगर तथा के.टी. नगर के पीछे स्थित स्वीट ड्रीम बिल्डिंग क्षेत्र का निरीक्षण किया। कई स्थानों पर जलभराव, नालियों के चैंबर में रुकावट और टूटे हुए चैंबर ढक्कनों की समस्या सामने आई। नगर सेविका ने मौके पर ही सफाई कार्य करवाया तथा क्षतिग्रस्त ढक्कनों को बदलवाकर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई।

इस निरीक्षण के दौरान नगर निगम के संबंधित अधिकारी, मुकादम एवं कर्मचारी मौजूद रहे। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता निपुण दोशी और सुरेश हेगड़े ने भी नागरिकों की समस्याओं के समाधान में सक्रिय सहयोग दिया। नगर सेविका निम्मी निपुण दोशी ने कहा कि बारिश के मौसम में नागरिकों की सुरक्षा और सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि वार्ड में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम प्रशासन के साथ लगातार समन्वय बनाकर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। स्थानीय नागरिकों ने भी त्वरित कार्रवाई और क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने के लिए नगर सेविका की सराहना की।

महाराष्ट्र में बड़ा हादसा, अहिल्यानगर में 50 बच्चों से भरी स्कूल बस पलटी, 15 छात्र घायल

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र से स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर दो बेहद चिंताजनक खबरें सामने आई हैं। शनिवार सुबह अहिल्यानगर (पूर्व नाम अहमदनगर) में 50 बच्चों को ले जा रही एक स्कूल बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 15 छात्र घायल हो गए। वहीं, तीन दिन पहले मुंबई में भारी बारिश के दौरान स्कूल बस पर पेड़ गिरने से 11 साल के एक मासूम को अपनी जान गंवानी पड़ी। मौसम विभाग ने मुंबई और आसपास के इलाकों के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। शनिवार सुबह अहिल्यानगर के राहुरी इलाके में कोंढवाड़ गांव के पास एक बड़ा हादसा टल गया। बच्चों को लेकर जा रही एक स्कूल बस का संतुलन अचानक बिगड़ गया और वह सड़क किनारे जाकर पलट गई। हादसे के वक्त बस में करीब 50 बच्चे सवार थे।

हादसे के बाद छात्रों को किसी तरह बस से बाहर निकाला गया और घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल, एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बस सड़क किनारे बुरी तरह पलटी हुई दिखाई दे रही है। आसपास कई लोग भी देखे जा सकते हैं। हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है। माता-पिता भी चिंतित हैं और घटना पर नजर रखे हुए हैं।

तीन दिन पहले मुंबई में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी, जिसमें बारिश के दौरान स्कूल बस पर पीपल का पेड़ गिरने से 11 साल के एक छात्र की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने

बताया कि यह घटना दोपहर 2:58 बजे रोड नंबर 11 पर एक इमारत के पास हुई, जब बस यूनिवर्सल हाई स्कूल के 13 छात्रों को उनके घर ले जा रही थी।

फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और सभी छात्रों को बाहर निकाला, जिनमें वे दो छात्र भी शामिल थे जो स्कूल बस में फंसे हुए थे। बस ड्राइवर, कंडक्टर और स्थानीय निवासी भी उनके साथ शामिल हुए। 4 से 12 साल की उम्र के पांच घायल छात्रों को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर के अनुसार, गंभीर रूप से घायल 11 वर्षीय विहान श्रीवास्तव की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल छात्रों की हालत स्थिर है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। मेयर के ऑफिस के मुताबिक, स्थानीय सिविक अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इलाके में सड़क किनारे लगे पेड़ों की मॉनसून से पहले छंटाई की गई थी। प्रेस रिलीज में कहा गया, ₹जांच में यह देखा जाएगा कि सड़क पर हाल ही में हुए सीमेंट कंक्रीट के काम से पेड़ की मजबूती पर कोई असर पड़ा है या नहीं और क्या स्थानीय निवासियों से कोई शिकायत मिली थी। तावड़े तुरंत दुर्घटना वाली जगह पर पहुँचे और डिप्टी मेयर संजय घाड़ी, स्थानीय विधायक तुकाराम काटे और अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब मुंबई में पिछले एक हफ्ते से जोरदार बारिश हो रही है। सिविक अधिकारियों ने बताया कि इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को मुंबई के लिए शनिवार और रविवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश होने का अनुमान लगाया है।

पड़ोसी ज़िलों ठाणे, पालघर और रायगढ़ के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया गया। मॉनसून के देर से आने के बाद इस पूरे हफ़्ते मुंबई में जोरदार बारिश हुई है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शुक्रवार दोपहर को जारी क्टऊ के ज़िलेवार पूवार्नुमान के अनुसार, शहर में 4 और 5 जुलाई को कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना है। इस पूवार्नुमान की संभावना को बहुत ज्यादा संभावना की श्रेणी में रखा गया है।

मूसलाधार बारिश के बीच बांद्रा में सीमा सिंह ने श्रमिकों को बांटी छतरी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में हो रही मूसलाधार बारिश के बीच देश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मेघाश्रेय फाउंडेशन द्वारा बांद्रा पश्चिम के अलमेडा पार्क में बरसात से बचने के लिए सैकड़ों श्रमिकों को छतरी बांटकर एक पुनीत कार्य किया। बरसात में भीग रहे श्रमिक छतरी पाकर बेहद खुश नजर आए। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह ने अपने हाथों से उन्हें छतरी वितरित किया। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बरसात में वर्षा से बचने के लिए छतरी एक महत्वपूर्ण साधन है। बहुत सारे गरीब मजदूर पैसे की तंगी के चलते चाह कर भी छतरी नहीं खरीद पाए। उनके बच्चों को भीगते हुए विद्यालय जाना पड़ता है। यही सोच कर संस्था ने भारी बरसात के बीच छतरी बांटने का निर्णय लिया। उपस्थित लोगों ने संस्था के इस मानवीय कार्य की सराहना की। भारी बरसात के चलते जहां एक तरफ लोग अपने घरों या सुरक्षित स्थानों में रह रहे हैं, वहीं सीमा सिंह ने बारिश की परवाह न करते हुए श्रमिकों के बीच पहुंचकर उन्हें छतरी वितरित की।

15 लाख रुपये की रंगदारी लेते सूचना का अधिकार कार्यकताओं के चार सदस्य गिरफ्तार

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली एमआईडीसी क्षेत्र में नाले और गटर निर्माण कार्य को घटिया गुणवत्ता का बताते हुए सूचना का अधिकार (फ्ळक) के तहत आवेदन करने के बाद उसे वापस लेने के बदले 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कल्याण अपराध शाखा और ठाणे एंटी एक्सटॉर्शन सेल की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों को रंगदारी की रकम लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपेश गौतम लोखंडे, राहुल सुधाकर मुकादम, विशाल गंगाराम जानकर और नरेश राजेंद्र सूर्यवंशी के रूप में हुई है। दीपेश नवी मुंबई के घणसोली, राहुल भिवंडी के

कोनगांव, विशाल पनवेल तथा नरेश नवी मुंबई के रबाले क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने डोंबिवली एमआईडीसी में नाले और गटर निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर एमआईडीसी के कार्यकारी अभियंता के पास सूचना का अधिकार आवेदन दायर किया था। इसके बाद उन्होंने संबंधित ठेकेदार अजवानी मेटकॉन जॉइंट वेंचर से आवेदन वापस लेने के बदले 15 लाख रुपये की मांग की। आरोप है कि चारों आरोपी लगातार ठेकेदार पर पैसे देने का दबाव बना रहे थे।

ठेकेदार की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार चारों आरोपी एक कार से पेंढारकर कॉलेज के पास स्थित एक बर्गर शॉप में 15 लाख रुपये लेने पहुंचे। जैसे ही उन्होंने ठेकेदार से रकम स्वीकार की, पुलिस टीम ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन, दो चारपहिया वाहन सहित कुल 21 लाख 10 हजार 500 रुपये का सामान जब्त किया। यह कार्रवाई कल्याण अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजित शिंदे के नेतृत्व वाली टीम और ठाणे एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने संयुक्त रूप से की। गिरफ्तार चारों आरोपियों को कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

भिवंडी में मूसलाधार बारिश से भिवंडी के अनेकों क्षेत्रों जलभराव, मनपा आयुक्त ने किया दौरा, हर घंटे मांगी रिपोर्ट

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। लगातार हो रही बारिश के कारण भिवंडी मनपा क्षेत्र के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। हालात को देखते हुए मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने शनिवार को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी की निकासी तेज करने, नालों की सतत निगरानी रखने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हर घंटे बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए, ताकि बदलते हालात के अनुसार तत्काल निर्णय लिए जा सकें। आयुक्त ने जिन क्षेत्रों में पानी भर गया है, वहां रहने

वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, जरूरत पड़ने पर अस्थायी राहत शिविर शुरू करने तथा प्रभावित परिवारों को फूड पैकेट, पीने का पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आपदा प्रबंधन, अग्निशमन, स्वास्थ्य और अभियंत्रिकी विभाग की टीमों को 24 घंटे सतर्क रहने को कहा। मनपा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें, अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मनपा के नियंत्रण कक्ष या संबंधित विभाग से संपर्क करें। प्रशासन का कहना है कि शहर की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त राहत दल भी तैनात किए जाएंगे।

भारी बारिश के अलर्ट पर प्रशासन सतर्क, काशीमीरा वार्ड-14 के संवेदनशील क्षेत्रों का किया गया निरीक्षण

◆मांडीवी पाड़ा से ग्रीन विलेज कॉम्प्लेक्स तक अधिकारियों ने लिया हालात का जायजा, नागरिकों से सतर्क रहने और आपात स्थिति में तत्काल सूचना देने की अपील

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड मौसम विभाग द्वारा आज और कल भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने के बाद काशीमीरा वार्ड क्रमांक-14 के संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है।

संभावित जलभराव और अन्य समस्याओं से निपटने के उद्देश्य से मांडीवी पाड़ा, ढाचकुल पाड़ा, साई कृपा कॉम्प्लेक्स, मनाली कॉम्प्लेक्स, ग्रीन विलेज कॉम्प्लेक्स सहित अन्य इलाकों का विस्तृत भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे एवं पार्षद श्रीमती ज्योत्सना ताई हसनाले ने विभिन्न स्थानों का दौरा कर जल निकासी व्यवस्था, नालों की स्थिति तथा संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का जायजा लिया। अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त पानपटे, स्वच्छता निरीक्षक बांगर तथा वरिष्ठ अभियंता प्रफुल्ला वानखेड़े स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने मौके पर निरीक्षण कर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल वार्ड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है तथा कहीं भी गंभीर समस्या की सूचना नहीं है। हालांकि, अगले दो दिनों तक भारी बारिश की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। यदि किसी क्षेत्र में जलभराव, जल निकासी में बाधा अथवा कोई अन्य आपात स्थिति उत्पन्न होती है, तो तत्काल संबंधित जनप्रतिनिधियों अथवा प्रशासन से संपर्क करने का आग्रह किया गया है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि समन्वय के साथ हर शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे ने कहा कि आपकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी नागरिक सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2 लाख रुपये तक का कृषि ऋण माफ, नियमित भुगतान करने वाले किसानों को 50 हजार का प्रोत्साहन

पालघर (उत्तरशक्ति)। प्राकृतिक आपदाओं के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे किसानों को राहत देने के उद्देश्य से महाराष्ट्र सरकार ने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर किसान ऋणमुक्ति योजना-2026 लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को अधिकतम 2 लाख रुपये तक की फसल ऋण माफी का लाभ मिलेगा। योजना के अनुसार 30 सितंबर 2025 तक बकाया तथा 31 मार्च 2026 तक चुकाया नहीं जा सके फसल ऋण वाले पात्र किसानों का अधिकतम दो लाख रुपये तक का कर्ज माफ किया जायेगा। सरकार ने समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों को भी प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। नियमित रूप से कर्ज की अदायगी करने वाले पात्र किसानों को 50 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। इससे ईमानदारी से ऋण चुकाने वाले किसानों को भी योजना का लाभ मिलेगा। यह योजना राष्ट्रीयकृत बैंकों, निजी बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों तथा प्राथमिक कृषि पतपुरवठा सहकारी समितियों द्वारा अपने संसाधनों से वितरित किये गये फसल ऋण पर भी लागू होगी। इससे राज्य के बड़ी संख्या में किसान इस योजना के दायरे में आयेंगे। राज्य सरकार का मानना है कि इस निर्णय से प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा कृषि क्षेत्र में निवेश और उत्पादन बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री में बंपर उछाल

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने जून 2026 के महीने और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही, दोनों में ही बिक्री में असाधारण बढ़ोतरी दर्ज की है। जून 2026 में, कंपनी की कुल पैसेंजर व्हीकल बिक्री (इलेक्ट्रिक वाहनों सहित) सालाना आधार पर 69% की भारी बढ़त के साथ 63,083 यूनिट्स पर पहुंच गई, जो जून 2025 में 37,237 यूनिट्स थी। मासिक स्तर पर इस शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण घरेलू बाजार में मिली 67% की ग्रोथ रही, जहाँ कुल 62,076 गाड़ियां बिकीं। इसके साथ ही कंपनी के इंटरनेशनल बिजनेस (ढश क्ष्) ने 554% की रिकॉर्ड छलांग लगाते हुए 1,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इलेक्ट्रिक व्हीकल (एश्) सेगमेंट में भी जून 2026 के दौरान गजब का उत्साह देखा गया, जहाँ सालाना आधार पर 183% का भारी उछाल आया और कुल 14,800 ईवी की बिक्री हुई।

अगर पहली तिमाही के कुल प्रदर्शन की बात करें, तो टाटा मोटर्स ने कुल 1,82,574 पैसेंजर वाहनों की बिक्री दर्ज की है, जो वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 1,24,809 यूनिट्स के मुकाबले 46% की मजबूत सालाना वृद्धि को दशार्ती है। इस तिमाही की कुल बिक्री में घरेलू बाजार की 1,80,166 यूनिट्स (45% वृद्धि) और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की 2,408 यूनिट्स (148% वृद्धि) शामिल हैं। विशेष रूप से, कंपनी ने इस तिमाही के दौरान इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में अपनी पकड़ को और मजबूत किया है; घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों को मिलाकर कंपनी की कुल ईवी बिक्री 112% (ङ्ग) बढ़कर 34,467 यूनिट्स के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो पिछले साल इसी अवधि में केवल 16,231 यूनिट्स थी।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, ₹वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के लिए बेहद शानदार रही है। हमने 1,82,574 कारों और एसयूवी की बिक्री के साथ सालाना आधार पर 46% की वृद्धि दर्ज की है, जो ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की औसत विकास दर से कहीं अधिक है। इस बेहतरीन प्रदर्शन को ग्राहकों की मजबूत मांग और हाल ही में लॉन्च किए गए हमारे नए मॉडल्स की सफलता से काफी बल मिला है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेगमेंट में हमारा नेतृत्व इस तिमाही में और मजबूत हुआ है, जहाँ ईवी की बिक्री दोगुनी से भी अधिक होकर 112% (ङ्ग) बढ़ी है। रिटेल के मोर्चे पर भी प्रदर्शन उतना ही उत्साहजनक रहा; 'वाहन' पोर्टल पर हमारा रजिस्ट्रेशन सालाना आधार पर लगभग 40% बढ़ा है, जो इंडस्ट्री की औसत ग्रोथ से करीब दोगुना है।₹

उन्होंने आगे कहा, हमने इस तिमाही का समापन बेहद शानदार तरीके से किया है।

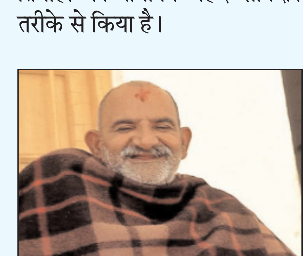

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सनकी युवक ने मां पर किया जानलेवा हमला, फिर खुद का गला काटा

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बक्शा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने पहले अपनी बुजुर्ग मां पर ईंट-पत्थर से जानलेवा हमला किया और फिर खुद धारदार हथियार से अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास कर लिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

घटना बक्शा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की है। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे 25 वर्षीय अरविंद कुमार गौतम ने अपनी 70 वर्षीय मां बेइला देवी के सिर पर ईंट-पत्थर से कई वार कर दिए। हमले में मां गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गईं। इसके बाद अरविंद घर के सामने बने मड़हे में पहुंचा और धारदार हथियार से अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। गला गहराई तक कटने से वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

मां की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे तथा दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

परिजनों के अनुसार अरविंद का मानसिक संतुलन काफी समय से ठीक नहीं है और उसका इलाज वाराणसी के एक निजी चिकित्सक के यहां चल रहा है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

बाबा लक्खीशाह बंजारा जयंती पर सपा ने किया श्रद्धांजलि कार्यक्रम, संगठन विस्तार पर बनी रणनीति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर कार्यालय में शनिवार को महान समाज सुधारक एवं राष्ट्रसेवा के प्रतीक बाबा लक्खीशाह बंजारा की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने की। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा लक्खीशाह बंजारा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके संघर्ष, सामाजिक समरसता और राष्ट्र सेवा में दिए गए योगदान को याद किया।

जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि बाबा लक्खीशाह बंजारा का जीवन त्याग, साहस, सामाजिक न्याय, भाईचारे और मानवता की सेवा का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने तथा पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत है।

जयंती कार्यक्रम के बाद पार्टी की मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान तेज करने, जनसंपर्क कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने तथा जनता की समस्याओं को लेकर आंदोलन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई।

राकेश मौर्य ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही 1 से 7 जुलाई तक राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर पीडीए वृक्षारोपण अभियान को भव्य रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान हरिश्चंद्र प्रभाकर को समाजवादी पार्टी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव तथा गुलजीत विश्वकर्मा एवं विजय प्रताप यादव को समाजवादी मजदूर सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं विधान परिषद सदस्य राजेंद्र चौधरी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

कार्यक्रम को पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, लालबहादुर यादव, मोहम्मद अरशद खान, श्रद्धा यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। बैठक का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। अंत में प्रदेश सचिव रमेश साहनी की माताजी, मनोज यादव की माताजी, प्रवेश यादव की बड़ी माताजी सहित पीडीए परिवार के दिवंगत सदस्यों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और शोक संवेदना व्यक्त की गई।

लखनऊ पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री योगी ने किया स्वागत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नितिन नबीन शनिवार को पहली बार लखनऊ पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर और भगवा अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रदेश सरकार के मंत्रियों और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से परिचय भी कराया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि प्रभु श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की पावन भूमि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री, प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, एके शर्मा, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', संजय निषाद, दारा सिंह चौहान, जेपीएस राठौर सहित कई वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया और कार्यक्रम में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर डीएम सख्त, चार विभागों को चेतावनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। शुक्रवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने विभागवार शिकायतों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत निस्तारण आख्या का स्वयं अवलोकन किया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि ऐसा हो कि शिकायतकर्ता पूरी तरह संतुष्ट हो और किसी भी स्तर पर नकारात्मक फीडबैक न मिले।

समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम तथा पंचायती राज विभाग के कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि आईजीआरएस प्रकरणों में लापरवाही या उदासीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि शिकायतों के निस्तारण में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

जौनपुर में विकास के दावों की खुली पोल, शेखपुर मोहल्ले की सड़क बनी मुसीबत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका क्षेत्र के शेखपुर मोहल्ले में वर्षों से जर्जर सड़क और जलजमाव की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं। रोडवेजझकचहरी मार्ग पर सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी के पास स्थित गली में नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने से लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बरसात के मौसम में हालात और गंभीर हो जाते हैं, जिससे क्षेत्र की बदहाली साफ नजर आती है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क कई वर्षों से टूटी हुई है और नालियों की उचित सफाई न होने के कारण गंदा पानी हमेशा सड़क पर जमा रहता है। कीचड़ और जलभराव के बीच बच्चों को स्कूल जाना पड़ता है, जबकि बुजुर्ग, महिलाएं और राहगीर भी रोजाना परेशानी झेलने को मजबूर हैं। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई है कि लगातार जलजमाव और गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने नगर पालिका और जिला प्रशासन से सड़क की मरम्मत, नालियों की सफाई तथा जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास के दावों के बीच शेखपुर मोहल्ले की यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करती है। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन कब इस गंभीर समस्या का समाधान कर राहत दिलाता है।

2027 में जनता अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएगी: अरशद खान

जौनपुर में मौलाना अनवार अहमद कासमी के सम्मान समारोह में बोले सपा राष्ट्रीय सचिव, विकास और सामाजिक न्याय को बताया चुनाव का मुद्दा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिपाह स्थित मदरसा मोमिनात लिल बनात में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव मौलाना अनवार अहमद कासमी के सम्मान में आयोजित समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि उत्तर प्रदेश को विकास, रोजगार, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए वर्ष 2027 में जनता अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाएगी।

समारोह में मोहम्मद अरशद खान ने मौलाना अनवार अहमद कासमी को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2012 से 2017 के दौरान अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, मेडिकल कॉलेज, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए, जिनकी आज भी चर्चा होती है।

उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार पर किसानों, मजदूरों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि प्रदेश की जनता संविधान, कानून का राज, सामाजिक न्याय, भाईचारा और विकास की राजनीति चाहती है तथा वर्ष 2027 में इन्हीं मुद्दों पर अपना जनादेश देगी।

मोहम्मद अरशद खान ने मौलाना अनवार अहमद कासमी को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर बधाई देते हुए उन्हें जौनपुर की प्रतिष्ठित शैक्षिक एवं सामाजिक हस्ती बताया। उन्होंने कहा कि कासमी शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं तथा संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जौनपुर की सभी नौ सीटों पर पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। कार्यक्रम में साजिद अलीम (पूर्व सभासद), जफर मसूद (पूर्व अध्यक्ष, मरकजी सीरत कमेटी) सहित बड़ी संख्या में उलेमा, छात्र-छात्राएं, महिलाएं और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

शारदा सहायक नहर में मिला अज्ञात युवक का शव, पहचान कराने में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन क्षेत्र में शारदा सहायक नहर से एक अज्ञात युवक का शव बरामद होने के बाद पुलिस उसकी शिनाख्त कराने में

जुट गई है। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की पहचान कराने में सहयोग की अपील की है। प्रभारी निरीक्षक खुटहन के अनुसार, 2 जुलाई 2026 को सुबह करीब 7:25 बजे यूपी-112 पर सूचना मिली कि गोसाईपुर नहर से नगवा की ओर शारदा सहायक नहर में एक अज्ञात शव बहता हुआ जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना खुटहन पुलिस मौके पर पहुंची और चकफतेहपुर हरिजन बस्ती पुलिया के पास नहर से शव को बाहर निकलवाया।

पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसने कत्थई रंग की शर्ट पहन रखी थी। आवश्यक कानूनी कार्रवाई और पंचायतनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेज दिया गया है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का अनुमान है कि शव जनपद सुल्तानपुर या थाना सरपतहा क्षेत्र से बहकर खुटहन थाना क्षेत्र में पहुंचा हो सकता है। प्रभारी निरीक्षक ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को इस अज्ञात शव के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल थाना खुटहन पुलिस को सूचित करें, ताकि मृतक की पहचान कर उसके परिजनों को सूचना दी जा सके।

बदलापुर में बेसमेंट में चल रही लाइब्रेरी सील, मानक पूरे न मिलने पर प्रशासन की कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील क्षेत्र में प्रशासन ने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बेसमेंट में संचालित एक दैनिक लाइब्रेरी को सील कर दिया। यह कार्रवाई शासन के निर्देश पर चल रहे जांच एवं सत्यापन अभियान के तहत की गई।

नायब तहसीलदार बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई जांच में लाइब्रेरी सुरक्षा और प्रशासनिक मानकों के अनुरूप संचालित नहीं पाई गई। छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से लाइब्रेरी को सील कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सत्यापन अभियान लगातार जारी रहेगा। निर्धारित मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संचालकों से सभी आवश्यक सुरक्षा एवं वैधानिक मानकों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता न हो।

जौनपुर जिला अस्पताल की लिफ्ट एक महीने से बंद, मरीजों की परेशानी बढ़ी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय में पिछले करीब एक महीने से लिफ्ट बंद होने के कारण मरीजों, तीमारदारों और अस्पताल कर्मियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लिफ्ट बंद होने की वजह से पहली और दूसरी मंजिल तक जाने के लिए मरीजों को सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे बुजुर्ग, दिव्यांग, गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार लिफ्ट बंद होने का कारण लो वोल्टेज की समस्या बताया जा रहा है। वहीं रोजाना करीब 900 से 1200 मरीज इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में ऐसे मरीज शामिल हैं जिन्हें ऊपर के वार्डों तक पहुंचना पड़ता है। लिफ्ट बंद होने से मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी देखी जा रही है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द लिफ्ट को दुरुस्त कर सुचारू रूप से चालू कराने की मांग की है, ताकि मरीजों को राहत मिल सके और इलाज में कोई बाधा न आए।

सरायमीर क्षेत्र में लो वोल्टेज, विद्युत कटौती को लेकर अधिशासी अभियंता फूलपुर को दिया ज्ञापन

फूलपुर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सरायमीर क्षेत्र में लो वोल्टेज और विद्युत कटौती को लेकर सोशलिस्ट किसान सभा और पूर्वांचल किसान यूनियन ने अधिशासी अभियंता फूलपुर से मुलाकात कर ज्ञापन दिया।

किसान नेताओं ने बताया कि सरायमीर क्षेत्र में लो वोल्टेज और विद्युत कटौती को लेकर अधिशासी अभियंता फूलपुर ने वार्ता में बताया कि सरायमीर की समस्या के निदान के लिए प्रस्ताव भेजा गया पर क्षेत्रीय विरोध के चलते सुदनीपुर से नहीं जोड़ा जा सका। उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे फूलपुर की आबादी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और सरायमीर की जनता को बेहतर बिजली मिलेगी। उन्होंने कोरौली फीडर को दो भागों में बांटकर रोपनी के इस मौसम में किसानों को बिजली देने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देते हुए मांग की गई कि यथाशीघ्र विद्युत विभाग की बिजली की समस्या से निजात दिलाई जाए, शासन-प्रशासन इसे गंभीरता से ले। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि सरायमीर जैसी बड़ी बाजार और क्षेत्र को देखते हुए यहां कोई बड़ा पावर हाउस न होना विद्युत विभाग और सरकार के गैरजिम्मेदाराना रवैये को दर्शाता है। इस क्षेत्र की बड़ी आबादी अरब से लेकर अन्य देशों में रोजगार के लिए पलायन कर बड़ी पूंजी लाकर देश को समृद्ध करती है, पर उस क्षेत्र में सुविधाओं का टोटा है। सरायमीर में जल्द से जल्द बड़ा पावर हाउस बनाया जाए। विद्युत विभाग ने वार्ता में बताया कि पेडरा में प्रस्तावित विद्युत उपकेंद्र के साथ एक और विद्युत उपकेंद्र सरायमीर क्षेत्र में प्रस्तावित है। किसान संगठनों ने कहा कि सरायमीर में बिजली की समस्या को दूर करने के लिए जल्द से जल्द बड़ी क्षमता वाला विद्युत उपकेंद्र बनाया जाए। किसान नेता राजीव यादव, वीरेंद्र यादव, कलीम जामई, अवधेश यादव, जोखन पाल ने ज्ञापन दिया।

20 जुलाई तक मिलेगा मुफ्त राशन, अंत्योदय कार्डधारकों को चीनी भी मिलेगी: जिला पूर्ति अधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत माह जुलाई 2026 का निःशुल्क राशन तथा अंत्योदय राशन कार्डधारकों को अप्रैल, मई और जून 2026 की त्रैमासिक चीनी का वितरण 6 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिले की सभी उचित दर की दुकानों पर वन नेशन-वन राशन कार्ड (डठळफ) योजना के तहत राशन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अंत्योदय अन्न योजना के लाभार्थियों को प्रति कार्ड 10 किलोग्राम गेहूं और 25 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल, यानी कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क वितरित किया जाएगा।

वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट 1 किलोग्राम गेहूं और 4 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल, कुल 5 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क मिलेगा।

अंत्योदय कार्डधारकों को प्रथम त्रैमास (अप्रैल, मई एवं जून 2026) के लिए 3 किलोग्राम चीनी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कुल 54 रुपये में उपलब्ध कराई जाएगी। चीनी के वितरण में पोर्टेबिलिटी की सुविधा नहीं होगी, इसलिए लाभार्थियों को अपनी मूल उचित दर की दुकान से ही चीनी प्राप्त करनी होगी।

खाद्यान्न वितरण में इंटरस्टेट एवं इंट्रास्टेट पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। वितरण की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। अंतिम दिन आधार प्रमाणीकरण में असफल रहने वाले लाभार्थियों को मोबाइल ओटीपी सत्यापन के माध्यम से भी राशन उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि नई ई-वेइंग लिंक्ड ई-पॉस मशीनों के माध्यम से पर्यवेक्षण अधिकारियों की मौजूदगी में नियमानुसार खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें तथा योजना से संबंधित सूचना दुकान पर चस्पा करें, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी राशन से वंचित न रहे।

सूचना निदेशक ने पत्रकार बन्धुओं के हितार्थ उठाया महत्वपूर्ण कदम

◆ आयुष्मान कार्ड प्राप्त करना अब हुआ और आसान

◆ पत्रकार बन्धुओं की सुविधा के लिए जल्द ही नया पोर्टल होगा शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सूचना निदेशक विशाल सिंह ने बताया कि पत्रकार बन्धुओं के हितार्थ महत्वपूर्ण कदम उठाये गये है। अब पत्रकार बन्धुओं को आयुष्मान कार्ड और आसानी से प्राप्त हो सकेंगे। उन्होने बताया कि जिन पत्रकार बन्धुओं ने आयुष्मान कार्ड के लिए अपना आवेदन किया है और कतिपय कारणों से उनका कार्ड नहीं बन पाया है, वह ुल्लीप्रूं१८.ल्लँ.ङ्मप्.ल्ल पोर्टल पर अपने कार्ड का स्टेटस चेक कर सकते है। पोर्टल पर नाम प्रदर्शित

होने पर किसी भी प्रकार के संसोधन के लिए संबधित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में सम्पर्क स्थापित कर संशोधन भी करा सकते है। उन्होने यह भी बताया कि जिन पत्रकार बन्धुओं ने अभी तक आयुष्मान कार्ड के लिए अपना आवेदन नहीं किया है या आवेदन किया है और उनका कार्ड नहीं बना है, इसके समाधान हेतु शीघ्र ही ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया जायेगा। पोर्टल शुरू होने के पश्चात पत्रकार बंधु अपने जनपद के जिला सूचना अधिकारी के माध्यम से पोर्टल पर अपना आवेदन उपलब्ध करा सकेंगे। पोर्टल प्रारम्भ होने की सूचना तत्काल उपलब्ध करा दी जाएगी।

मुसहर बस्ती के रास्ते की खुदाई का आरोप, डीएम से सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड बक्शा के ग्राम वीरभानपुर की मुसहर बस्ती के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी जौनपुर को प्रार्थना पत्र सौंपकर बस्ती तक जाने वाले एकमात्र रास्ते की खुदाई रुकवाने तथा पेयजल, बिजली, आवास, शौचालय और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में करीब 25 मुसहर परिवार रहते हैं और बस्ती तक पहुंचने के लिए केवल एक ही चकरोड है। आरोप है कि कुछ माह पूर्व चकरोड के दोनों ओर मिट्टी निकालकर उसे गहरा कर दिया गया था, जिससे बरसात के दौरान रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है और आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि 3 जुलाई को कुछ लोगों ने रास्ते पर सोलिंग निर्माण के नाम पर खुदाई शुरू कर दी। विरोध करने पर कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया और जान-माल की धमकी दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ मकानों के समीप भी गहरी खुदाई कर दी गई है, जिससे बरसात में घर गिरने का खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने, रास्ते की खुदाई रुकवाने तथा मुसहर बस्ती में पेयजल, बिजली, शौचालय, आवास, नाली और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। प्रार्थना पत्र पर बस्ती के कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

जौनपुर पुलिस की बड़ी उपलब्धि: 3.60 करोड़ के 1,791 गुम मोबाइल बरामद, मालिकों को सौंपे गए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए जौनपुर पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। साइबर क्राइम थाना और जनपद के विभिन्न थानों की साइबर सेल ने उपक्रम (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद से गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया। इस अभियान के तहत अब तक कुल 1,791 गुम मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ 60 लाख रुपये बताई गई है, बरामद कर उनके मालिकों को वापस किए जा चुके हैं।

हाल ही में 151 मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित स्वामियों को सौंपे गए, जिनकी कीमत लगभग 32 लाख रुपये आंकी गई है।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम थाना एवं जनपद के सभी थानों की साइबर सेल द्वारा की गई।

पुलिस ने बताया कि बरामद मोबाइल फोन जौनपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के साथ-साथ आजमगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, बलिया, प्रतापगढ़ और भदोही सहित कई जनपदों से भी रिकवर किए गए हैं। इसके अलावा कुछ मोबाइल दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार और राजस्थान जैसे अन्य राज्यों से भी बरामद हुए हैं।

बरामद मोबाइल में वनप्लस, वीवो, रेडमी, ओप्पो, रियलमी, टेक्नो, पोको, नोकिया और सैमसंग जैसे विभिन्न कंपनियों के स्मार्टफोन शामिल हैं। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली और उन्होंने जौनपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने आम नागरिकों से अपील की कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाने में सूचना दें तथा उपक्रम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता और सतर्कता है।

पुलिस ने नागरिकों को साइबर ठगी से बचने के लिए भी सतर्क किया और कहा कि किसी भी अनजान लिंक, कॉल या क्यूआर कोड पर भरोसा न करें तथा ओटीपी, यूपीआई पिन या बैंकिंग जानकारी किसी से साझा न करें।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने नगरसेविका मनीषा यादव के 'जनसंपर्क कार्यालय' का किया उद्घाटन

मुंबई। उत्तर मुम्बई के जनसेवक गोपाल शेट्टी ने कांदिवली - चारकोप विधानसभा के वार्ड क्रमांक-31 की नगरसेविका मनीषा कमलेश यादव के ₹जनसंपर्क कार्यालय₹ का रिबिन काटकर उद्घाटन किया तथा उनको बधाई तथा उत्तरोत्तर प्रगति के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित भी किया।

नगरसेविका जनसंपर्क कार्यालय, लालजीपाड़ा व्यापारी मंडल, वाड़ीलाल गोसालिया रोड , न्यू लिंक रोड, कांदिवली (पश्चिम) में हुए इस उद्घाटन समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ चारकोप के विधायक योगेश सागर, भाजपा उत्तर मुम्बई के जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावड़े तथा पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव सहित मंडल व वार्ड के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता व भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने भागलपुर में अपने एक्सक्लूसिव शोरूम का किया शुभारंभ

भागलपुर । किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने भागलपुर में अपने नए एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। शाह मार्केट, खलीफाबाग चौक, डीएनसिंह रोड स्थित यह नया शोरूम बिहार में किसना का 19वां तथा पूरे भारत में 156वां एक्सक्लूसिव शोरूम है। शोरूम का शुभारंभ हरी कृष्ण ग्रुप के फाउंडर एंड एमडी घनश्याम ढोलकिया एवं भागलपुर किसना एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर गगन कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर्स की घोषणा की गई है। ग्राहक अपने पुराने सोने को एक्सचेंज कर डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर 105 प्रतिशत मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा डायमंड ज्वेलरी पर फ्लैट 21 प्रतिशत तक की छूट, गोल्ड ज्वेलरी की मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 21 प्रतिशत तक की छूट तथा 90 प्रतिशत बायबैक एवं 95 प्रतिशत एक्सचेंज वैल्यू जैसी आकर्षक सुविधाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि बिहार में हमारे 19वें एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ किसना की निरंतर विकास यात्रा और पूरे भारत में विस्तार की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

भागलपुर एक महत्वपूर्ण एवं संभावनाओं से भरपूर बाजार है और यहां हमारा आगमन हर घर किसना के हमारे विजन को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य प्रत्येक भारतीय परिवार तक विश्वसनीय, उच्च गुणवत्ता वाली डायमंड एवं गोल्ड ज्वेलरी को सुलभ बनाना है। वहीं अपने संबोधन में भागलपुर किसना एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर गगन कुमार ने कहा कि किसना के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। यह ब्रांड भारत के ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। हमें प्रसन्नता है कि अब भागलपुर के ग्राहकों को विश्वसनीय डायमंड एवं गोल्ड ज्वेलरी के साथ एक उत्कृष्ट खरीदारी अनुभव मिलेगा। हमारा प्रयास ग्राहकों के साथ विश्वासपूर्ण एवं दीर्घकालिक संबंध स्थापित करना है। समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए किसना ने शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर जरूरतमंदों के लिए भोजन वितरण, स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

नहर में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के बरजी गांव के पास शारदा सहायक नहर में शनिवार दोपहर करीब 2 बजे एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, ग्रामीण जब नहर पुल के पास बैठे थे तभी उन्होंने पानी में एक शव को बहते हुए देखा। यह दृश्य देखते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और तुरंत खेतासराय पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया।

मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है। शव पर काला पैंट, ऑरेंज रंग की बनियान (बाजू मोड़ी हुई) तथा सफेद गमछा लिपटा हुआ पाया गया है। प्रारंभिक जांच में शव करीब दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पुलिस का अनुमान है कि शव नहर के बहाव के साथ कहीं दूर से बहकर यहां तक पहुंचा हो सकता है।

शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं, जबकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्रों में पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने क्यू1एफवाई27 में शानदार परफॉर्मेंस दिया

पटना। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने क्यू1एफवाई27 में लगातार अच्छा परफॉर्मेंस दिया, जिसमें कुल 16.11 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि क्यू1एफवाई26 में यह 13.75 लाख यूनिट्स थी, जिससे साल-दर-साल में 17 प्रतिशत की ग्रोथ हुई। क्यू1एफवाई27 के दौरान, घरेलू बिक्री 14.13 लाख यूनिट्स रही, जबकि क्यू1एफवाई26 की इसी अवधि में यह 12.28 लाख यूनिट्स थी, जिससे साल-दर-साल में 15 प्रतिशत की ग्रोथ हुई। क्यू1एफवाई27 में एक्सपोर्ट 1.98 लाख यूनिट रहा, जबकि क्यू1एफवाई26 में यह 1.46 लाख यूनिट था, जिससे साल-दर-साल में 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एचएमएसआई के परफॉर्मेंस पर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, ३हमने पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में एफवाई2027 की पहली तिमाही में अच्छी ग्रोथ देखी है, जिसे स्थिर डिमांड की स्थिति से सपोर्ट मिला है। जून 2026 का परफॉर्मेंस जून 2026 में, एचएमएसआई ने कुल 5.28 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जो जून 2025 में बेची गई 4.29 लाख यूनिट्स की तुलना में 23 प्रतिशत साल-दर-साल ग्रोथ है।

विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार सुरियावां,डॉ योगेश दुबे ने की स्किल डेवलपमेंट सेंटर, छात्रावास और चिल्ड्रन होम की घोषणा

सुरियावां/भदोही। क्षेत्र के युवाओं के कौशल विकास और निराश्रित बच्चों के कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित और भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता डॉ. योगेश दुबे ने सुरियावां और कुसौड़ा क्षेत्र के विकास के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

1- छात्रावास और स्किल डेवलपमेंट सेंटर का निर्माण हो

श्री घनश्याम दुबे महाविद्यालय सेवाश्रम महाविद्यालय के आस-पास की सभी दुकानों को तत्काल प्रभाव से खाली कराकर वहाँ एक आधुनिक छात्रावास (Hostel) और युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर (Skill Development Center) स्व रोजगार केंद्र का

निर्माण करने का प्रस्ताव दिया है' वे इस बाबत स्थानीय जनप्रतिनिधियों से और विद्यालय प्रबंध समिति से सहयोग देने के लिए बात करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रस्तावित क्षेत्र पर पहले से दुकानें स्थापित हैं जिसका इंफ्रास्ट्रक्चर तत्काल शैक्षणिक प्रयोग में लाया जा सकता है । डॉ दुबे ने कहा कि दुकानों को खाली करवाने के लिए नियमपूर्वक कानूनी नोटिस देंगे ,किरायेदारों की संयुक्त बैठक आयोजित कर विद्यार्थियों की आवश्यकता पर जोर देंगे ,और आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार और जिला प्रशासन का सहयोग लेंगे । छात्रावास की आवश्यकताः क्षेत्र में लंबे समय से एक छात्रवास की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। दूर-दराज के क्षेत्रों से सेवाश्रम इंटर कॉलेज आने वाले छात्रों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। युवा विकास और रोजगारः डॉ. योगेश दुबे ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में युवाओं के विकास के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ₹स्किल डेवलपमेंट ही भारत का भविष्य है।₹ इस केंद्र के बनने से सुरियावां के युवाओं को सीधे लाभ मिलेगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे

2. कुसौड़ा में बनेगा भदोही जिले का पहला अत्याधुनिक 'चिल्ड्रन होम'

डॉ. योगेश दुबे ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए एक और बड़ी घोषणा की। उनके माता-पिता (स्वर्गीय श्री घनश्याम दुबे जी एवं पूज्य माता श्रीमती हीरा देवी) द्वारा बनवाए गए 'हीरा देवी पैलेस' (कुसौड़ा, सुरियावां) को अब बच्चों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया जाएगा ।इस संपत्ति पर भदोही जिले का पहला अत्याधुनिक 'चिल्ड्रन होम' (Children Home) बनाया जाएगा।

निराश्रित बच्चों को संबलः डॉ. दुबे ने कहा कि भदोही जिले में फिलहाल एक भी स्तरीय चिल्ड्रन होम नहीं है, जिसके कारण निराश्रित बच्चे कठिन परिस्थितियों में है ।

इस चिल्ड्रन होम में ५ वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों को सुरक्षित माहौल और छत मिलेगी। यहाँ उनके लिए रहने की उत्तम व्यवस्था, पौष्टिक भोजन और प्रारंभिक शिक्षा का पूरा प्रबंध किया जाएगा।

प्रशासनिक सहयोगः डॉ. दुबे इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जल्द ही जिलाधिकारी (DM भदोही) प्रमुख सचिव महिला और बाल विकास मंत्रालय से मुलाकात कर विस्तृत बातचीत करेंगे। डॉ. योगेश दुबे पूर्व में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास और महिला सशक्तिकरण के लिए कई उत्कृष्ट और अनुकरणीय कार्य कर चुके हैं। इस नई घोषणा से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को एक नई और सकारात्मक दिशा मिलेगी।

गोल्याणा में पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण का लाइव प्रसारण

नवलगढ़। गोल्याणा स्थित शिवगोरा मंदिर ट्रस्ट परिसर में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण समारोह का लाइव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम शिवगोरा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मूलचंद कारग्वाल की अध्यक्षता एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा राजस्थान के प्रदेश मंत्री महेंद्र चंदवा के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

इस दौरान महेंद्र चंदवा के भाजपा ओबीसी मोर्चा राजस्थान का प्रदेश मंत्री नियुक्त होने पर ट्रस्ट एवं ग्रामीणों की ओर से साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। महेंद्र चंदवा ने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण राजस्थान के औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और विकसित राजस्थान का संकल्प

तेजी से साकार हो रहा है। उन्होंने अपने प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर पार्टी नेतृत्व एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में लोहारगल के प्रशासक जगमोहन शेखावत, चिराणा ग्राम पंचायत के प्रशासक राजेंद्र सिंह, बिडासर के प्रशासक प्रदीप गोदारा, सुरेंद्र सिंह शेखावत, सुरेंद्र कारग्वाल, पाबूदान सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी महर्षि, सीए जितेंद्र रणवीर सिंह, मोहाल, मूल सिंह गडवाल, नेकीराम गोदारा, महेश सिंह, महेंद्र सिंह गोदारा, राजेंद्र मीणा, श्रवण कुमावत, रमेश मारवाड़, मुकेश सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

बोरीवली में मराठी भाषा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन आज, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक करेंगे शुभारंभ

मुंबई । बोरीवली पूर्व के सिद्धार्थ नगर स्थित गायत्री धाम मंदिर परिसर में आज मराठी भाषा प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ऑटो चालक-मालिकों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में मांगाठाणे विधानसभा के विधायक प्रकाश दादा सुर्वे, नगरसेवक राज प्रकाश दादा सुर्वे, पश्चिम महाराष्ट्र वाहतूक संघटना यूनियन के अध्यक्ष धर्मा साळुंखे, बोरीवली आरटीओ कार्यालय के अधिकारी तथा कांदिवली तालुका अध्यक्ष विजय यादव भी मौजूद रहेंगे।

उद्घाटन के तुरंत बाद मराठी भाषा प्रशिक्षण केंद्र में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इच्छुक ऑटो चालक-मालिक आवश्यक दस्तावेजों के साथ मौके पर ही प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश के लिए ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड, परमिट की दो-दो फोटो

कॉपी तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना आवश्यक होगा।

आयोजकों के अनुसार प्रशिक्षण चार दिनों का होगा। प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को मराठी भाषा का प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा और अगले दिन से नियमित कक्षाएं प्रारंभ होंगी। आयोजकों ने सभी ऑटो एवं रिक्शा चालक-मालिकों से अपील की है कि वे समय रहते मराठी भाषा प्रमाणपत्र प्राप्त कर लें। उनका कहना है कि आरटीओ से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए मराठी भाषा प्रमाणपत्र आवश्यक हो सकता है। प्रमाणपत्र नहीं होने की स्थिति में आरटीओ संबंधी कार्यों में देरी या अन्य प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पीएनबी गिल्ट्स ने भारतीय ऋण बाजार में उत्कृष्टता के 30 वर्ष पूरे किए

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक की सहायक कंपनी तथा एक स्वतंत्र प्राथमिक डीलर पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड ने अपना 30वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने भारतीय ऋण बाजार तथा सरकारी प्रतिभूति पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में अपने तीन दशकों के उल्लेखनीय योगदान का स्मरण किया। वर्ष 1996 में स्थापित पीएनबी गिल्ट्स ने सरकारी प्रतिभूतियों, ट्रेजरी समाधान, बाजार निर्माण अभिग्रहण तथा ऋण पूंजी बाजार सेवाओं में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से भारत के स्थिर आय बाजार को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में अशोक चंद्र (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पंजाब

नैशनल बैंक), पारीद सुनील (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पीएनबी गिल्ट्स), निदेशक मंडल के सदस्य, वरिष्ठ प्रबंधन, कर्मचारीगण तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। पीएनबी गिल्ट्स की विकास यात्रा उसकी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति एवं बाजार नेतृत्व को प्रतिबिंबित करती है। कंपनी की कुल निवल संपत्ति लगभग 1,700 करोड़ तक पहुँच चुकी है। ऋण पूंजी बाजार व्यवसाय में कंपनी ने शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त किया है तथा हाल ही में स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध होने के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किए हैं। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 1997 से वित्त वर्ष 2026 के दौरान कंपनी ने अपनी दीर्घकालिक स्वामित्व निधि में लगभग 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है, जो इसकी सतत वित्तीय मजबूती एवं अनुशासित विकास का प्रमाण है।

सराई निवासी पूर्व शिक्षक प्रेम चंद तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती दिलभवनी तिवारी का दु:खद निधन

भाईंदर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर, थाना मुंगरा बादशाहपुर, पोस्ट पवांरा बजार , ग्राम सराई (नेवाजपूरा) निवासी श्रीमति दिलभवनी का दुःखद निधन दिनांक 3 जुलाई 2026 दिन शुक्रवार रात 11 बजे हृदय गति रुक जाने से अपने निवास स्थान पर मुंबई के भाईंदर में अंतिम सांस ली वे लगभग 72 वर्ष की थी । उनके पास तीन पुत्र तथा एक पुत्री है। दिनांक 4 जूलाई दिन शनिवार को उनके बड़े पुत्र अखिलेश तिवारी के हाथों से मुख अग्नि दे कर अंतिम संस्कार किया गया । बताया जाता है कि श्रीमती दिलभवनी तिवारी दिनांक 2 जूलाई को 11 बजे रात कामायनी से मुम्बई आई थी। दिनांक 3 जूलाई रात 11 बजे निधन हो गया। वे एक बहुत

ही मिलनसार महिला थी । अपने पिछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है । दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा की समधिन लगती थी। बता दें उनका मायका जनपद भदोही, गांव सदौवपुर में था, उनके निधन पर दैनिक उत्तरशक्ति संपादक ओम प्रकाश प्रजापति , उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , भरत शुक्ला, संजय मिश्रा बब्लू, के के बच्चन मिश्रा ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि परमात्मा निज आत्मा को सांची शांति आप दें । बड़े पुत्र अखिलेश तिवारी , मिथलेश तिवारी , उमेश तिवारी , देवर प्रविण तिवारी, पति पूर्व शिक्षक प्रेम चंद त्रिपाठी, नाती ,पोते भरा पूरा परिवार छोड़ गईं हैं। भतिजे निरज तिवारी, धिरज तिवारी सहीत कई लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है ।इस दुखदायी घड़ी में ईश्वर परिवार वालों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

समाजसेवा के क्षेत्र में दिलीप कुमार दुबे को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिंडालको रेणुकूट के प्रख्यात समाजसेवी दिलीप कुमार दुबे को समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं निरंतर योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था World Record of Excellence, Englandद्वारा प्रतिष्ठित एमिनेंस एक्सीलेंस अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में आयोजित निफा उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में संवेदना-2 कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के राज्यमंत्री वैश्य नटवर गोयल तथा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में बीबीएयू के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल, सोटो के निदेशक डॉ. हर्षवर्धन द्विवेदी तथा

निफा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अश्विनी शेट्टी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

देशभर से आए सामाजिक कार्यकताओं की उपस्थिति में दिलीप कुमार दुबे के रक्तदान जागरूकता, जनसेवा एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विशेष सराहना की गई और उन्हें इस सम्मान के लिए चयनित किया गया। इसी कार्यक्रम में रेणुकूट के ही अमित कुमार चौबे को भी नेशनल सोशल इम्पैक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल दोनों समाजसेवियों के समर्पण को दशार्ती है, बल्कि सोनभद्र जिले एवं हिंडालको रेणुकूट के लिए भी गर्व का विषय है। क्षेत्रवासियों में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष का माहौल है। हिंडालको प्रबंधन ने भी दोनों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

हिंडाल्को सी.एस.आर. द्वारा नेशनल डॉक्टर्स डे पर चिकित्सकों का सम्मान

रेणुकूट, सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। हिंडाल्को रेणुकूट के क्लस्टर हेड श्री समीर नायक एवं एच.आर. क्लस्टर हेड श्री जसबीर सिंह के मार्गदर्शन तथा सी.एस.आर. प्रमुख श्री अनिल झा के नेतृत्व में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 1 जुलाई को नेशनल डॉक्टर्स डे के अवसर पर चिकित्सकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम दुद्धी, म्योरपुर एवं बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा आदित्य बिड़ला रूरल टेक्नोलॉजी पार्क, म्योरपुर में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में दुद्धी, म्योरपुर एवं बभनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अधीक्षक डॉ. शाह आलम अंसारी, डॉ. पी.एन. सिंह एवं डॉ. राजन सिंह सहित अन्य चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया

गया। इस अवसर पर सी.एस.आर. प्रमुख श्री अनिल झा ने सभी चिकित्सकों को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर समाज के वास्तविक जीवन रक्षक हैं, जिनके निस्वार्थ सेवा भाव से लोगों को नया जीवन मिलता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का योगदान समाज के लिए अमूल्य है और उनकी सेवा भावना को सम्मान देना हम सभी का कर्तव्य है।

आदित्य बिड़ला रूरल टेक्नोलॉजी पार्क, म्योरपुर के डॉ. डी.पी. सक्सेना ने बताया कि नेशनल डॉक्टर्स डे का आयोजन महान चिकित्सक एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. विधान चंद्र राय के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों—सुमाशिष चक्रवर्ती, रमाकांत शर्मा, प्रदीप सोनी एवं सचिन सिंह—ने भी चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी चिकित्सकों के प्रति आभार एवं सम्मान व्यक्त करते हुए किया गया।